सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 239 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 20 दिसम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

कला में व्यक्ति खुद को उजागर करता है कलाकृति को नहीं।
-रबिन्द्रनाथ टैगोर

दक्षिण अफ्रीका ने भारत से हिसाब... 7 | शिवराज व वंसुधरा के भविष्य पर... 3 | करोड़ों के निवेश के दावे की खुली... 2

मिमिक्री को लेकर सरकार ने संसद को बना दिया अखाड़ा!

बीजेपी ने विपक्ष पर लगाया अपमान करने का आरोप

» कल्याण बनर्जी के नकल पर मचा कोहराम
» कांग्रेस बोली- सरकार मुद्दों से भटका रही है

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री करने का मामला तूल पकड़ रहा है। संसद से लेकर सड़क तक भाजपा और विपक्ष में वार-पलटवार जारी है। जहां संसद में भाजपा ने इस मामले में सभापति के समर्थन में खड़े होकर विरोध किया है तो वहीं विपक्ष संसद के बाहर 141 सांसदों के निलंबन की कार्रवाई के विरोध में सरकार खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर रही है। धनखड़ मामले पर पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी आलोचना की है।

बता दें कि संसद परिसर में उपराष्ट्रपति की नकल करने वाले तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी के एक वीडियो ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। वहीं कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने सरकार पर लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाया है। उधर संसद में शीतकालीन सत्र में हंगामा अभी जारी है। विपक्ष संसद सुरक्षा चूक की घटना पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह के बयान की मांग पर अड़ी हुई है। इससे पहले लोकसभा सत्र के दौरान विपक्ष ने बार-बार केंद्रीय मंत्री के बयान की बात कही और जमकर लोकसभा में हंगामा मचाया। विपक्ष के हंगामे के बाद लोकसभा से कई सांसदों को निलंबित किया गया। अब तक लोकसभा से 95 और राज्यसभा से 46 सहित कुल 141 सांसदों को निलंबित कर दिया गया है।

निलंबित सांसदों के लॉबी और दीर्घाओं में प्रवेश पर रोक

सभी सांसदों के निलंबन के बाद, लोकसभा सचिवालय ने निलंबित सदस्यों के लिए प्रतिबंधों की रूपरेखा तैयार करते हुए एक सर्कुलर जारी किया। सर्कुलर में संसद कक्ष, लॉबी और दीर्घाओं में उनके प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। निलंबन अवधि के दौरान, उन्हें समिति की बैठकों में भाग लेने, नोटिस पेश करने और समिति चुनावों में मतदान करने से रोक दिया गया है।

सभापति मुझे भी बोलने की इजाजत नहीं देते तो क्या मैं भी बोलूं दलित हूं : खरगे

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री पर कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा,अगर मुझे बोलने की इजाजत नहीं है तो क्या मुझे यह कहना चाहिए कि मैं दलित हूं। हर मुद्दे में जाति को नहीं घसीटा जाना चाहिए और लोगों को भड़काने के लिए इसका इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। संसद सुरक्षा उल्लंघन की घटना पर राज्यसभा के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार से सवाल किया है। मल्लिकार्जुन खरगे ने पूछा, क्या पीएम ने सदन का बहिष्कार किया है कि वह सदन में आकर बयान नहीं दे रहे हैं।

देश में जो देखा है वह संसदीय लोकतंत्र का मजाक : थरूर

संसद से सांसदों के निलंबन पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपना बयान दिया है। उन्होंने कहा, अब, पिछले कुछ दिनों में हमने देश में जो देखा है वह संसदीय लोकतंत्र का मजाक है। संसदीय लोकतंत्र के पूरे इतिहास में कभी भी दुनिया के किसी भी देश में किसी भी संसद ने 150 सांसदों को निलंबित या निष्कासित नहीं किया है... जब संसद सत्र चल रहा हो, कुछ भी हो, तो सरकार को संसद में आना चाहिए और बाहर जाने से पहले उनके साथ चर्चा करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री और भाजपा हमें नसीहत न दें : सांसद गौरव गोगोई

सांसद मिमिक्री विवाद पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, प्रधानमंत्री को याद करना चाहिए कि पश्चिम बंगाल चुनाव के समय उन्होंने कैसे एक महिला मुख्यमंत्री का मजाक उड़ाया था। तो प्रधानमंत्री और भाजपा हमें नसीहत न दें। वहीं जेएमएम सांसद महुआ माजी ने सरकार पर निशाना साधा। जब भी विपक्ष देश की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाता है तो सभी को निलंबित कर दिया जाता है, ऐसा पहली बार हुआ है कि इतने सारे सांसदों को निलंबित किया गया है और हम इसका विरोध करते हैं, सरकार चाहते हैं कि किसी भी बिल पर चर्चा न हो।

धनखड़ के सम्मान में राज्यसभा में एक घंटे तक खड़े रहे एनडीए के सांसद

बीजेपी समेत एनडीए के सभी राज्यसभा सांसद उपराष्ट्रपति के साथ एकजुटता दिखाने के लिए एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। एनडीए के 109 सदस्य उपराष्ट्रपति और राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ के सम्मान में सदन में एक घंटे तक खड़े रहे। कल्याण बनर्जी विपक्ष के उन 141 सांसदों में शामिल हैं, जिन्हें पिछले हफ्ते संसद सुरक्षा उल्लंघन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग करने पर निलंबित कर दिया गया था। कल नए संसद भवन के मकर द्वार के पास विरोध प्रदर्शन के दौरान सेरामपुर सांसद कल्याण बनर्जी उपराष्ट्रपति की नकल करने लगे. वहीं इस दौरान अन्य सांसद हंसते दिखे।

पीएम मोदी ने उपराष्ट्रपति से की बात

सांसदों के द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री की घटना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का टेलीफोन आया था। उन्होंने कुछ सांसदों की कल संसद परिसर में घृणित नौटंकी पर बहुत दुख व्यक्त किया। उन्होंने मुझे बताया कि वह पिछले बीस वर्षों से इस तरह के अपमान सहते आ रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का टेलीफोन आया था। उन्होंने कुछ सांसदों की कल संसद परिसर में घृणित नौटंकी पर बहुत दुख व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति ने कहा पीएम मोदी ने मुझे बताया कि वह पिछले बीस वर्षों से इस तरह के अपमान सहते आ रहे हैं, लेकिन यह तथ्य कि भारत के उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद के साथ और वह भी संसद में, ऐसा हो सकता है, दुर्भाग्यपूर्ण है। मैंने उनसे कहा- प्रधानमंत्री, कुछ लोगों की हरकतें मुझे रोक नहीं पाएंगी। मैं अपना कर्तव्य निभा रहा हूं और हमारे संविधान में निहित सिद्धांतों को कायम रख रहा हूं।

सरकार ने लोकतंत्र का गला घोंट दिया : सोनिया गांधी

सोनिया गांधी ने कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में कहा कि इस सरकार ने लोकतंत्र का गला घोंट दिया है। इससे पहले कभी भी संसद के इतने सारे विपक्षी सदस्यों को सदन से निलंबित नहीं किया गया था, और वह भी पूरी तरह से उचित और वैध मांग उठाने के लिए, उन्होंने कहा कि विपक्षी सांसदों ने केवल 13 दिसंबर की असाधारण घटनाओं पर गृह मंत्री से बयान मांगा था, जब दो घुसपैठियों ने लोकसभा कक्ष में घुसकर बड़े पैमाने पर सुरक्षा उल्लंघन करते हुए रंगीन धुआं उड़ा दिया था। जिस अहंकार के साथ इस अनुरोध पर विचार किया गया उसका वर्णन करने के लिए शब्द नहीं हैं। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी सांसदों के निलंबन पर कहा था कि मोदी-शाह ने सदन की गरिमा का अपमान किया है। गंभीर सुरक्षा चूक के बावजूद वो संसद में आकर बयान नहीं देते, मुझे बहुत दु:ख है कि इतिहास में पहली बार इतने सांसदों को ससपेंड किया गया। ये लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाने जैसा है, सदन की मर्यादा पर गहरी ठेस है। बता दें कि विपक्षी सांसदों के निलंबन की कड़ी में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के चलते 49 और सांसदों को निलंबित कर दिया था। इससे इस सत्र में निलंबित सांसदों की कुल संख्या 141 हो गई है, जो निलंबन के मामले में अब तक की सबसे अधिक संख्या है।

करोड़ों के निवेश के दावे की खुली पोल

» अखिलेश बोले- भाजपा अब ऐसे बचाएगी डूबती अर्थव्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने यूपी सरकार द्वारा प्रदेश के रेलवे और मेट्रो स्टेशनों पर प्रीमियम ब्रांड शराब बेचने की अनुमति देने पर कहा कि क्या अब भाजपा सरकार के पास प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन बनाने के लिए यही रास्ता बचा है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब तो यही हुआ कि प्रदेश में लाखों-करोड़ों के निवेश का जो दावा किया गया वो झूठा है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा है कि प्रिय प्रदेशवासियों, उत्तर प्रदेश भाजपा सरकार के पास 1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए क्या यही एक रास्ता बचा है कि शराब रेलवे, मेट्रो स्टेशन व क्रूज पर बेची जाए। इसका मतलब ये हुआ कि लाखों-करोड़ों के निवेश के जो भी दावे किए गए थे, वो सब झूठे साबित हुए हैं, तभी तो सरकार ऐसे अनैतिक रास्तों को अपना रही है। आज शराब बिक रही है कल को दूसरे और भी मादक पदार्थ सार्वजनिक जगहों पर बेचे जाएंगे। अगर भाजपाई समझते हैं कि शराबखोरी इतनी ही अच्छी है तो अपने कार्यालयों से बेचें, सार्वजनिक स्थलों को अराजकता और अपराध का केंद्र न बनाएं।

रेलवे और मेट्रो स्टेशनों पर शराब बेचने पर सपा मुखिया ने कसा तंज

इतनी क्षमता वाली बड़ी संसद क्यों बनवा दी

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्षी सांसदों के निलंबन मामले पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूछा कि जब सांसदों को निलंबित करना था तो अधिक क्षमता वाली बड़ी संसद क्यों बनवाई? सपा प्रमुख यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, जनता पूछ रही है जब सांसदों को निलंबित ही करना था तो फिर अधिक क्षमता वाली बड़ी संसद के नाम पर नई संसद बनवाई ही क्यों? इसके साथ उन्होंने लिखा, इससे अच्छा तो भाजपा सरकार पुरानी संसद में ही दो-तीन लोगों के लिए एक नया कक्ष बनवा लेती, क्योंकि इस सरकार में न तो किसी को प्रश्न पूछने दिया जाता है न कोई चर्चा करने दी जाती है और जो भी फैसले होते हैं वो भी कुछ लोग ही करते हैं। यादव ने कहा कि अगर भाजपा सरकार जनता के प्रतिनिधियों के साथ इस तरह का व्यवहार कर सकती है तो फिर जनता समझ ले अगला नंबर जनता का ही है।

घर-परिवार को बर्बाद न करे योगी सरकार

सरकार ऐसे फैसलों से घर-परिवार को बर्बाद न करे। महिलाएं और बच्चे जानते हैं कि शराब किस प्रकार घरेलू हिंसा से लेकर सार्वजनिक हिंसा का कारण बनती है और युवाओं के लिए घातक साबित होती है। इस फैसले के विरोध में प्रदेश की महिलाएं, परिवारवाले और युवा, भाजपा को हटाने का फैसला करेंगे। शराब और अपराध का गहरा संबंध होता है। ये भाजपा राज में अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के जीरो हो जाने का एक और उदाहरण बनेगा।

प्रदेश में 20 सीटों पर लड़ सकती है कांग्रेस, सपा के साथ बैठक जल्द

लोकसभा चुनाव में सीटों के लिहाज से सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में जल्द ही सीटों का बंटवारा होगा। अभी तक की चर्चाओं के अनुसार कांग्रेस 15 से 20 सीटें पा सकती है। इसमें से ज्यादातर वह सीटें होंगी जिनमें सपा का अच्छा प्रदर्शन कभी नहीं रहा है। इंडिया गठबंधन शीघ्र ही यूपी में सीटों के बंटवारे पर मंथन शुरू करेगा। इसके लिए सपा व कांग्रेस समेत सभी घटक दलों के नेता जल्द ही अलग से बैठेंगे। इसमें दलों की ओर से आ रहे दावों को परखा जाएगा। मुख्य भूमिका में सपा होगी और कोशिश रहेगी कि मजबूत प्रत्याशी होने पर ही किसी घटक दल के दावे को स्वीकार किया जाए। विपक्षी समावेशी गठबंधन इंडिया की दिल्ली में हुई चौथी बैठक में यह स्पष्ट कर दिया गया कि सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत राज्यस्तर पर होगी। हालांकि, इसमें राष्ट्रीय व क्षेत्रीय घटक दलों के प्रमुख नेता शामिल होंगे। माना जा रहा है कि जल्द ही कांग्रेस भी यूपी में सीटों के बंटवारे पर बातचीत के लिए अपना प्रतिनिधि नामित कर देगी। सपा और कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व तभी दखल देगा, जब कोई गतिरोध पैदा होगा।

संक्षिप्त खबरें

असम में कांग्रेस से लोस चुनाव के लिए 71 लोगों ने किया टिकट का आवेदन

गुवाहाटी। असम के दो मौजूदा सांसद और राज्य विधानसभा में विपक्ष के उपनेता उन 71 कांग्रेस सदस्यों में शामिल है, जिन्होंने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी से टिकट मांगा है। मौजूदा लोकसभा में राज्य से कांग्रेस के तीसरे सांसद गौरव गोगोई ने अभी तक अपना आवेदन दाखिल नहीं किया है। कांग्रेस की असम इकाई ने पार्टी का टिकट मांगने के लिए आवेदन दाखिल करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 22 दिसंबर कर दिया है। पहले अंतिम तिथि मंगलवार थी। पार्टी की प्रदेश इकाई ने पूर्वोत्तर राज्य से निचले सदन की 14 सीट के लिए अब तक प्राप्त 71 आवेदनों की एक सूची साझा की है। निवर्तमान सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने नगांव निर्वाचन क्षेत्र से फिर से चुनाव लड़ने की मांग करते हुए आवेदन किया है। बरपेटा से सांसद अब्दुल खालिक ने भी अपना आवेदन दिया है, हालांकि उन्होंने अपनी पसंदीदा सीट का जिक्र नहीं किया है।

संसद को सड़कछाप बनाने वालों को देश माफ नहीं करेगा : कृष्णम

नई दिल्ली। संसद में 42 लोकसभा सांसदों को भी निलंबित कर दिया गया। सांसदों के निलंबित होने के बाद अब सियासी बयानबाजी तेज होते जा रही है, इस बीच कुछ कांग्रेस नेता अब बीजेपी के पक्ष में खुलकर उतर आए हैं। प्रमोद कृष्णम ने कहा, संसद को सड़क छाप बनाने वालों को देश माफ नहीं करेगा। उपराष्ट्रपति का मखौल उड़ाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतंत्र का मजाक है। दरअसल, कांग्रेस नेता की ये प्रतिक्रिया एक वायरल वीडियो पर आई है। वीडियो में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी संसद परिसर में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की नकल करते नजर आ रहे हैं। हालांकि इसके जवाब में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, सद्बुद्धि आए, कुछ तो सीमा होती होगी। राहुल गांधी भी आए नजर।

भाजपा के बनाए फर्जी वीडियो को नहीं पकड़ पाई बीआरएस : सिद्धारमैया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव को आड़े हाथ लेते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि उनकी पार्टी तेलंगाना विधानसभा चुनाव में इसलिए हार गई, क्योंकि वह यह पुष्टि करना भी नहीं जानते कि फर्जी और संपादित वीडियो क्या है और सच क्या है। सिद्धरमैया ने बीआरएस पर भाजपा द्वारा बनाए गए फर्जी व संपादित वीडियो प्रसारित करने का आरोप लगाया और पार्टी (बीआरएस) को केंद्र में सतारूढ़ दल की पूरी तरह से बी टीम करार दिया।

मुख्यमंत्री ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर राव द्वारा साझा की गई एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही। राव ने एक कथित फर्जी संपादित वीडियो साझा किया है, जिसमें सिद्धरमैया कर्नाटक विधानसभा में यह कहते सुने जा सकते हैं कि चुनावी गारंटी को पूरा करने के लिए धन की कमी है। सिद्धरमैया ने एक्स पर लिखा, श्री केटी रामा राव, क्या आप जानते हैं कि आपकी पार्टी तेलंगाना चुनावों में क्यों हार गई।

और हेलीकॉप्टर तैनात करवाएं रक्षा मंत्री

» स्टालिन ने तमिलनाडु में बाढ़ से बचाव को लेकर केंद्र से मांगी मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राज्य में आपदा की भयावहता के मद्देनजर केंद्र से अधिक से अधिक संख्या में हेलीकॉप्टर तत्काल तैनात करने का आग्रह किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लिखे पत्र में स्टालिन ने कहा कि फिलहाल वायु सेना के चार हेलीकॉप्टर, नौसेना और तटरक्षक के दो-दो हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल फंसे हुए लोगों को निकालने और खाद्य सामग्री पहुंचाने के लिए किया जा रहा है।

राज्य सरकार ने बचाव और राहत अभियान के लिए अधिकारियों, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के दलों को तैनात किया है। पूरे तमिलनाडु से राहत सामग्री जुटाई जा रही है लेकिन संपर्क सड़कों के जलमग्न हो जाने के कारण ए सामग्रियां लोगों को वितरित नहीं की जा सकी हैं। उन तक सिर्फ हेलीकॉप्टर के जरिए ही पहुंचा जा सकता है। थामिराबरानी नदी और आसपास के इलाकों में आई भीषण बाढ़ के कारण श्रीवैकुंटम और तूतुक्कुडि शहरों में स्थित बेहद गंभीर है। मुख्यमंत्री ने कहा, आपदा की भयावहता और बड़ी संख्या में बस्तियों के प्रभावित होने के मद्देनज़र, हमें बचाव और राहत सामग्रियों के वितरण के लिए अधिक हेलीकॉप्टर की जरूरत है।

तमिलनाडु सरकार ने राज्यपाल की समीक्षा बैठक का किया बहिष्कार

तमिलनाडु सरकार राज्य में केंद्रीय एजेंसियों और रक्षा बलों के बचाव एवं राहत कार्यों की समीक्षा के लिए राजभवन में राज्यपाल आर एन रवि की अध्यक्षता में हुई बैठक में शामिल नहीं हुई। राजभवन की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राज्य सरकार का कोई भी अधिकारी बैठक में शामिल नहीं हुआ, जबकि तमिलनाडु सरकार के मुख्य सचिव से बैठक में एक प्रतिनिधि भेजने का अनुरोध किया गया था। कुछ एजेंसियों ने वर्दियों की तैनाती में समन्वय की कमी और प्रभावित जिलों में समग्र स्थिति के बारे में समझ की कमी को लेकर चिंता जताई। यह बैठक मौजूदा स्थिति और जारी बचाव एवं राहत कार्यों की समीक्षा करने, बेहतर समन्वय स्थापित करने और तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव एवं राहत प्रयासों के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने के लिए आयोजित की गई थी। बैठक में सशस्त्र बलों, तटरक्षक बल, एनडीआरएफ, दक्षिणी रेलवे, भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण, बीएसएनएल, भारत मौसम विज्ञान विभाग और भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी (आईआरसीएस) के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। द्रमुक सरकार और राज्यपाल रवि के बीच नीतिगत मामलों समेत कई मुद्दों को लेकर विवाद है।

सद्भाव का संदेश लेकर यूपी को मथेगी कांग्रेस

» 18 दिन की यूपी जोड़ो यात्रा आज से शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस प्रतीकों के सहारे वोटबैंक जोड़ने की भरपूर कोशिश करेगी। विभिन्न स्थानों पर धार्मिक स्थलों और महापुरुषों की प्रतिमाओं पर प्रदेश अध्यक्ष पुष्प अर्पित करेंगे। इसके जरिए सर्व धर्म समभाव का संदेश देने की कोशिश की जाएगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभावते हुए पार्टी कार्यालय वैदिक मंत्रोच्चार और शंखनाद से गूंज उठा था, लेकिन अगले ही दिन पूर्व मंत्री अजय राय मदरसे से लेकर कबीरमठ में पहुंच गए।

उन्होंने गुरुद्वारा में जाकर न सिर्फ सेवा की बल्कि चर्च में पहुंच कर पादरी से भी आशीर्वाद लिया। यूपी जोड़ो यात्रा में भी इसका पूरा ध्यान रखा गया है। यात्रा की शुरुआत के लिए सहारनपुर जिले का चयन करने के पीछे भी सियासी निहितार्थ हैं। कांग्रेस की यूपी जोड़ो यात्रा बुधवार को सहारनपुर से शुरू होगी। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय मां शाकुंभरी के दर्शन कर यात्रा की शुरुआत करेंगे। उनके साथ प्रदेशभर के 307 नेता निरंतर बने रहेंगे। इसके अलावा संबंधित जिले के लोग भी जुड़ते जाएंगे। करीब 18 दिन चलने वाली इस यात्रा में 161 स्थानों पर नुक्कड़ सभाएं होंगी। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। पार्टी के ज्यादातर वरिष्ठ नेता मंगलवार शाम तक सहारनपुर पहुंच गए हैं। भाजपा सरकार की नीतियों के विरोध में और ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ने की रणनीति के तहत कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में यूपी जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। सहारनपुर से शुरू होने वाली यह यात्रा विभिन्न जिलों से होते हुए 18 दिन बाद लखनऊ पहुंचेगी।

मां शाकुंभरी के दर्शन कर यात्रा की शुरुआत

लोगों को भाजपा की नाकामी बताएंगे : राय

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि इस यात्रा का मकसद जनता के बीच भाजपा की गलत नीतियों के बारे में जागरूकता लाना है। उन्हें बताया जाएगा कि किस तरह से भाजपा सरकार विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा कर रही है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से चलने वाली इस यात्रा में हर जिले के लोग हिस्सा लेंगे। कई स्थानों पर प्रशासन की ओर से यात्रा को इजाजत देने में आनाकानी की जा रही है। लेकिन कांग्रेस के लोग डरने वाले नहीं है। तयशुदा रूट पर यात्रा निकलेगी। प्रदेश अध्यक्ष के साथ चलने वाले 307 लोगों में प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य, विभिन्न जिलों के जिलाध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक आदि शामिल हैं। इसके लिए बाकायदा संबंधित लोगों ने प्रदेश कार्यालय में नामांकन कराया। इसके लिए प्रदेश कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया। व्यवस्था के मद्देनजर सभी से कंट्रोल रूम के जरिए सहमति ली गई। यह भी तय किया गया है कि कौन-कौन लोग किस जिले के यात्रा दौरान बढ़ेंगे।

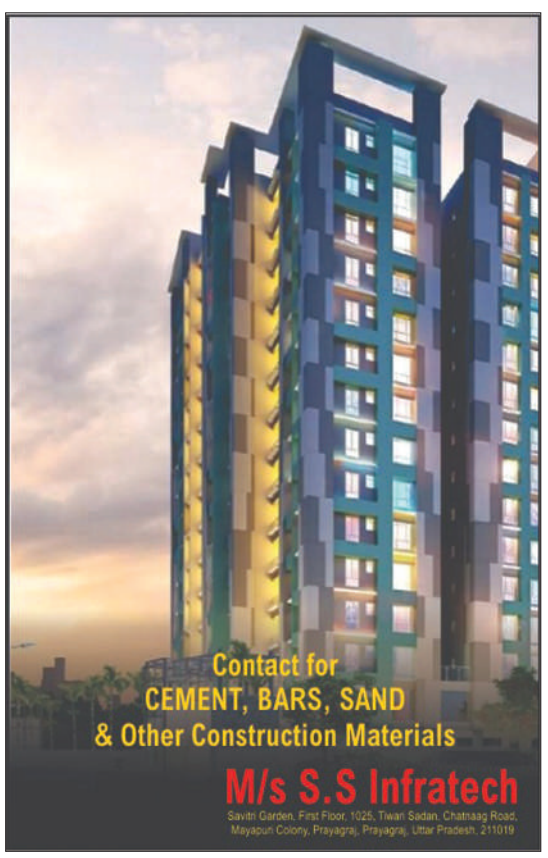

शिवराज व वंसुधरा के भविष्य पर संशय!

राजस्थान व मध्य प्रदेश में नये नेताओं को तरजीह

- रमन व तोमर को मिल गया काम
- भाजपा में चल रही है माथापच्ची
- कांग्रेस गहलोत, कमलनाथ व भूपेश को देगी जिम्मेदारी
- वसुंधरा का चुपचाप मान जाने पर छिड़ी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों के चुनाव के बाद 2024 के लोकसभा चुनावों पर सियासी माथापच्ची शुरू हो गई। दिल्ली में मंगलवार को इंडिया गठबंधन के 26 दलों से जुटे नेता अगली रणनीति पर चर्चा को बैठे। मंगलवार बहुत अहम दिन रहा जहां इंडिया की बैठक हो रही थी वहीं इससे पहले संसद से लगभग 49 विपक्षी सासंदों को पूरे सत्र से निकाल दिया है। उधर मध्यप्रदेश के कद्दावर नेता व पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने अपने अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। इन घटनाक्रम के साथ जोड़ने से एक बात तो स्पष्ट हो रही है कि सियासी दल अब चुनावी मोड में आ चुके हैं। जहां पूरा विपक्ष निलंबन को लेकर मोदी व बीजेपी सरकार को घेर रही उससे ऐसा लगा है कि आने वाले समय विपक्षी दल इसको बड़ा मुद्दा बना सकते हैं। पर इस मुद्दे पर जनता कितना विपक्ष के साथ खड़ी होती है वह तो आने वाले चुनाव परिणाम ही बताएंगे।

वहीं इंडिया गठबंधन में चुनावों को लेकर बैठक हो रही है। मुख्यत: यह गठबंधन सीटों के बटवारे से लेकर नेता चयन तक पर बातचीत करेंगे। पर सूत्रों द्वारा ऐसी जानकारी मिल रही है कि पीएम का कोई चेहरा चुनाव से पहले घोषित नही किया जाएग। वह चुनावों के बाद ही पीएम की घोषणा करने में विश्वास कर रहे हैं। उधर सबसे ज्यादा राजनीतिक गलियारों में राजस्थान व मध्यप्रदेश को लेकर चर्चा है। ऐसा इसलिए है कि क्योंकि वहां पर सत्ता में आई बीजेपी को जहां मप्र के दिग्गज नेता शिवराज चौहान व राजस्थान की वसुंधरा राजे के भविष्य को लेकर कोई निर्णय लेना है। वहीं कांग्रेस में दिग्विजय, कमलनाथ, गहलोत व भूपेश बघेल को लेकर भी बतकही हो रही है इनका क्या होगा। वहीं लोग राजस्थान व मप्र को लेकर यह भी चर्चा कर रह हैं इन दोनों (चौहान व राजे) को भविष्य में क्या जिम्मेदारी दी जाएगी। वहीं राजस्थान में भाजपा विधायक दल के नेता के पद पर पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा का चयन हो चुका है। भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री पद की व जयपुर राजघराने की दीया कुमारी तथा डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण कर ली है। इसके साथ ही राजस्थान में विधिवत रूप से भाजपा की सरकार काम करने लग गयी है। भाजपा ने विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए भी अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी का नाम तय कर दिया है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत उनका भी विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए चयन हो जाएगा। वहीं मध्य प्रदेश में शिवराज की जगह मोहन यादव ने संभाल ली है। अब वहां भी सरकार काम संभाल चुकी है। ऐसे में पूर्व सीएम की जिम्मेदारी प्रदेश या देश की राजनीति बढ़ेगी या घटेगी ये वक्त के गर्भ में हैं।

राजस्थान में भाजपा के 115 विधायक जीत कर आए हैं। इसके साथ ही कई निर्दलीय विधायकों ने भी भाजपा को समर्थन देने के संकेत दिए हैं। ऐसे में भाजपा के नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पांच साल तक सरकार चलाने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होने वाली है। भजनलाल शर्मा के नेता पद के चुनाव से पहले राजनीतिक विश्लेषक आशंका जता रहे थे कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे खुद के अलावा किसी अन्य के नाम पर सहमत नहीं होंगी। विधानसभा के चुनाव परिणाम आने के बाद से ही वसुंधरा राजे द्वारा अपने आवास पर विधायकों को बुलाकर लगातार शक्ति प्रदर्शन भी किया गया था। मगर जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर्यवेक्षक बनकर जयपुर आए तो उन्होंने मात्र दो घंटों में ही भजनलाल शर्मा को अगला मुख्यमंत्री घोषित कर वसुंधरा राजे के पूरे खेल को ही बिगाड़ कर रख दिया था। इतना ही नहीं भजनलाल के नाम का प्रस्ताव भी वसुंधरा राजे से ही करवाया गया था। विधायक दल की बैठक के दौरान राजनाथ सिंह ने अपनी जेब से एक पर्ची निकालकर वसुंधरा को दी थी। जिस पर भजनलाल शर्मा का नाम लिखा था। राजनाथ सिंह द्वारा दी गयी पर्ची पर लिखे नाम को पढ़कर एक बार तो वसुंधरा सकपका गयी थीं। मगर बाद में उन्होने भजनलाल के नाम का प्रस्ताव कर दिया था। लोगों का कहना है कि नेता पद के चयन से पहले वसुंधरा राजे व उनके समर्थक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व विधायक भवानीसिंह राजावत, प्रहलाद गुंजल जैसे कई नेता व विधायक लगातार कह रहे थे कि वसुंधरा राजे जैसी अनुभवी को ही प्रदेश में तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। प्रदेश की खराब वित्तीय स्थिति का सामना वसुंधरा राजे जैसी अनुभवी नेता ही कर सकती हैं। उनको दो बार सरकार चलाने का अनुभव है। वह पूरे प्रदेश से अच्छी तरह वाकिफ हैं। मगर वसुंधरा राजे के किसी भी समर्थक की एक भी नहीं सुनी गई और भजनलाल के नाम की घोषणा हो गई।

गहलोत, कमलनाथ व भूपेश कांग्रेस में भरेंगे ऊर्जा

मध्यप्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को लगे चुनावी झटके के बाद वहां के नेताओं के भविष्य पर भी चर्चा हो रही है। हालांकि मध्यप्रदेश में कमलनाथ को प्रदेश अध्यक्ष से हटाकर फिलहाल बिना जिम्मेदारी के लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटने के लिए फ्री कर दिया है। वहां पर फिलहाल जीतू पटवारी को कमान सौंप दी गई है। वहीं राजस्थान के पूर्व सीएम व दिग्गज नेता अशोक गहलोत को इंडिया गठबंधन की समन्वय समिति में बड़ी भूमिका देन की बात चल रही है। छत्तीसगढ़ के भूपेश बघेल को भी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बड़ी जिम्मेदारी देने की तैयारी चल रही है। वहीं मप्र में नवनिर्वाचत अध्यक्ष जीतू पटवारी 19 दिसंबर मंगलवार को पदभार ग्रहण करने के पहले बाबा महाकाल के दरबार उज्जैन पहुंचे। जहां वह बाबा महाकाल का पूजन अर्चन करने के बाद उनका आशीर्वाद लेंगे और उसके बाद एक रैली के रूप में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय भोपाल पहुंचेंगे और पदभार ग्रहण करेंगे।

भविष्य में हो सकता है बदलाव

अब पार्टी ने भी उनके स्थान पर राजपूत नेता के तौर पर जयपुर राजघराने की दीया कुमारी को उपमुख्यमंत्री बना कर प्रदेश की राजनीति में आगे ब?ा दिया है। दीया कुमारी उनकी तरह बड़े राजपरिवार की बेटी के साथ महिला भी हैं। दीया कुमारी राजसमंद से सांसद व दूसरी बार विधायक बनी हैं। उन्होंने विद्याधर नगर सीट पर राजस्थान में सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। दूसरा उपमुख्यमंत्री अनुसूचित जाति के डॉ. प्रेमचंद बैरवा को बनाया गया हैं। जो वसुंधरा गुट के माने जाते थे। मगर अब बैरवा सरकार में शामिल हो गये हैं। इसी तरह अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर वसुंधरा के साथ रहने वाले विधायक भी अब एक-एक कर खिसकने लगे हैं। वसुंधरा राजे स्वयं इस समय पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। भाजपा में जिस तरह से आलाकमान प्रभावी है। उसको देखकर नहीं लगता है कि वसुंधरा राजे को आगे चलकर पार्टी में कोई और अधिक बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। मौजूदा संकेतों से तो वसुंधरा राजे का राजनीतिक भविष्य गुमनामी की ओर ही जाता दिख रहा है। उनके कई समर्थकों का इस बार टिकट भी काट दिया गया। मौजूदा हालात को देखकर तो लगता है कि आने वाले समय में वसुंधरा राजे के अन्य समर्थकों को भी पार्टी में प्रभावहीन कर दिया जाये तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा।

पार्टी जहां बोलेगी वहां काम करूंगा : शिवराज

मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार के मंत्रिमंडल पर सस्पेंस बना हुआ है। इस बीच चुनाव परिणाम आने के बाद पहली बार पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को दिल्ली पहुंचे। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। इस दौरान पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहन ने सेवा ही संकल्प की बात कही। उन्होंने कहा कि पार्टी जो तय करेगी वो मंजूर है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कहीं भी काम करने को तैयार हूं। राज्य हो या केंद्र, जहां भी पार्टी बोलेगी वहां काम कर लूंगा। इस दौरान शिवराज मीडिया से भी रूबरू हुए। भाई बहन और मामा के सवाल पर पूर्व सीएम ने कहा कि भाई-बहन का प्यार अलग है। उसका किसी पद से कोई लेनादेना है। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पर लिखा कि दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी से भेंट की। इस दौरान राष्ट्र उत्थान, लोक कल्याण एवं जनसेवा के विषय में चर्चा हुई। सेवा ही संकल्प है के ध्येय के लिए भाजपा के हम समस्त कार्यकर्ता समर्पित हैं। रविवार को केंद्रीय नेतृत्व के साथ सीएम और प्रदेश के नेताओं की मंत्रिमंडल के नाम पर बैठक हुई। इसमें नए चेहरों के साथ ही कुछ पुराने चेहरे के नाम पर सहमति बनने की बात सामने आई, लेकिन दिग्गज नेताओं की भूमिका को लेकर पेंच फंस गया है। इसके चलते मंत्रिमंडल विस्तार के कुछ दिन टलने की बात सामने आ रही है। दरअसल कुछ दिग्गज नेताओं ने मंत्रिमंडल में शामिल न करने का आग्रह केंद्रीय नेतृत्व से किया है। इसमें शिवराज सिंह चौहान की भूमिका को लेकर भी निर्णय होना है। दिल्ली में शिवराज और जेपी नड्डा की मुलाकात के बाद दोनों नेताओं के बीच पूर्व सीएम की नई भूमिका और मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चर्चा होने के कयास लगाए जा रहे थे। बता दें राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कह चुके हैं कि शिवराज सिंह चौहान को उनके कद के अनुसार ही काम दिया जाएगा। उनके अनुभव का पार्टी पूरा उपयोग करेगी। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी के अनुसार काम कर रहा है। इसमें जातिगत और क्षेत्रीय समीकरण को साध कर प्रदेश के नेताओं से चर्चा कर मंत्रिमंडल का गठन किया जा रहा है। इसमें करीब 20 नामों पर सहमति बन चुकी है। इसमें नए चेहरे के साथ ही कुछ पुराने चेहरे शामिल होने की बात कही जा रही है।

बेटे दुष्यंत राज्य में होंगे सक्रिय

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि जब जयपुर में वसुंधरा राजे विधायकों के साथ शक्ति प्रदर्शन कर रही थीं। तब उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह पर भी जयपुर के एक होटल में कुछ विधायकों की बाड़ेबंदी करने की खबरें आई थीं। तब भाजपा आलाकमान सतर्क हो गया और वसुंधरा राजे को दिल्ली बुलाया गया। दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व गृहमंत्री अमित शाह ने वसुंधरा राजे को दो टूक शब्दों में समझा दिया था कि इस बार उनको मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा रहा है। पार्टी नए लोगों को आगे करेगी ऐसे में आपको पार्टी का साथ देना चाहिए। चर्चा है कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा व अमित शाह ने वसुंधरा राजे को कड़ाई से कह दिया था कि वह एक लंबी राजनीतिक पारी खेल चुकी हैं। इसलिए अब उनको विश्राम करना चाहिए। यदि वह पार्टी के निर्णय के साथ रहेंगी तो उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह को पार्टी में आगे बढ़ाया जाएगा।चर्चा है कि अपने पुत्र दुष्यंत सिंह जो झालावाड़ सीट से चौथी बार सांसद हैं, उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर वसुंधरा राजे ने पार्टी आलाकमान के निर्णय के साथ रहने में ही अपनी भलाई समझी और उन्होंने चुपचाप पार्टी के निर्देशों का पालन किया। वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह चार बार के सांसद हैं तथा आगे उन्हें केंद्र सरकार में मंत्री बनाए जाने की भी संभावना व्यक्त की जा रही है बहरहाल वसुंधरा राजे ने तो अपने पुत्र के मोह में पार्टी नेतृत्व के समक्ष हथियार डाल दिए हैं। मगर उनको मुख्यमंत्री बनाने की मांग को लेकर बारां अंता के विधायक कंवरलाल मीणा, कालीचरण सर्राफ, प्रताप सिंह सिंघवी, बहादुर सिंह कोली जैसे लोग खुलकर सामने आ चुके हैं। इससे उनकी छवि जरूर पार्टी नेतृत्व के सामने दागदार हुई है। हो सकता है आने वाले समय में उन्हें पार्टी द्वारा सरकार या संगठन में कोई जिम्मेदारी भी नहीं दी जाए। पार्टी आलाकमान के निर्देश पर ही वसुंधरा राजे भजनलाल शर्मा के मुख्यमंत्री पद का कार्यभार ग्रहण करते समय सचिवालय जाकर उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद देते हुए फोटो भी खिंचवा कर आईं और ऑल इस वेल का सन्देश देने का प्रयास किया। वसुंधरा इतना सब अपने पुत्र कि खातिर ही कर रही हैं। वरना उनकी विद्रोही छवि व लड़ाकू स्वभाव से हर कोई वाफिक है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मानवाधिकार से जगेगी इंसाफ की उम्मीद

दरअसल, रामपुर के आरटीआई कार्यकर्ता ने महिला जज की चिट्ठी के आधार पर मानवाधिकार आयोग में शिकायत की है। बाराबंकी में तैनाती के दौरान महिला जज ने अपने सीनियर जज पर मानसिक और शारीरिक शोषण का आरोप लगाया था। ज्ञात हो कि यूपी के बांदा में तैनात महिला सिविल जज की तरफ से इच्छामृत्यु की मांग मामले ने तूल पकड़ लिया है।

एक महिला जज ने अपने एक अधिकारी पर यौन शोषण के बाद इंसाफ न मिलने पर इच्छा मृत्यु की मांग वाली शिकायती चिट्ठी भारत के मुख्य न्यायाधीश को लिखकर पुरुष मानसिकता को उजागर किया था। उनके पत्र का संज्ञान लेते हुए सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ तुरंत जांच करके रिपोर्ट मंगाई थी। उधर अब इस मामले की शिकायत मानवाधिकार तक पहुंच गई है। ऐसा माना जाए कि इस पर कुछ उचित फैसला आएगा और महिला जज को इंसाफ मिलेगा। दरअसल, रामपुर के आरटीआई कार्यकर्ता ने महिला जज की चिट्ठी के आधार पर मानवाधिकार आयोग में शिकायत की है। बाराबंकी में तैनाती के दौरान महिला जज ने अपने सीनियर जज पर मानसिक और शारीरिक शोषण का आरोप लगाया था। ज्ञात हो कि यूपी के बांदा में तैनात महिला सिविल जज की तरफ से इच्छामृत्यु की मांग मामले ने तूल पकड़ लिया है। महिला जज ने अपने सीनियर जज पर मानसिक और शारीरिक शोषण का आरोप लगाया था। इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने केस दर्ज कर लिया है।

एनएचआरसी बाराबंकी में तैनात रहे एक पूर्व न्यायिक मजिस्ट्रेट के खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न मामले की जांच भी शुरू करेगा। मानवाधिकार आयोग में लगाई गई याचिका में कहा कि जब अपराधियों को दंड देने वाली महिला जज को अपने लिए न्याय मांगना पड़ रहा है तो आम महिलाओं की हालत को समझा जा सकता है। इस मामले में मानवाधिकार आयोग से कार्रवाई की अपील की जिसे स्वीकार कर लिया गया है। गौरतलब है कि महिला जज ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को भेजे पत्र में लिखा है, बाराबंकी में तैनाती के दौरान जिला जज द्वारा मेरा मानसिक और शारीरिक शोषण किया गया। कई बार मुझे रात में मिलने को कहा गया। इस संबंध में शिकायत के बाद भी जब न्याय नहीं मिला तो मजबूर होकर पत्र लिखना पड़ा। मुख्य न्यायाधीश को भेजा गया यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। महिला जज को 1 साल पहले 7 अक्टूबर, 2022 को भरी अदालत में अपमानित किया गया था। इसे जज ने रेकॉर्ड में भी दर्ज किया था। उम्मीद की जानी चाहिए कि मानवाधिकार इस मामले में कुछ ऐसा निर्णय दे ताकि आगे से बड़े-बड़े पदों पर बैठे अधिकरी अपने मातहतों का शोषण न कर सके। सबसे ज्यादा इस तरह के मामले महिलाओं से संबंधित आते हैं। हालांकि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए विभागीय स्तर पर व्यवस्था की गई है। पर जब न्याय देने वाले ही अन्याय करने लगे तो पीड़ितों का क्या होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

धैर्य के साथ अतिरिक्त प्रयासों से होंगे सफल

सीताराम गुप्ता

पिछले दिनों एक प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अवसर मिला। प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कार भी दिए गए। प्रथम पुरस्कार दस हजार रुपये का व द्वितीय पुरस्कार पांच हजार रुपये का था। एक-एक हजार रुपये के तीन तृतीय पुरस्कार भी थे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अधिकांश प्रतिभागियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। कई दर्जन लोगों में से पांच विजेताओं का चयन किया गया। मजे की बात ये है कि प्रथम पुरस्कार पाने वाले व्यक्ति को पुरस्कार स्वरूप द्वितीय पुरस्कार पाने वाले व्यक्ति से दोगुनी राशि मिली। प्रश्न उठता है कि क्या प्रथम स्थान पर आने वाले व्यक्ति की योग्यता, प्रयास अथवा प्रदर्शन द्वितीय स्थान पर रहने वाले व्यक्ति की योग्यता, प्रयास अथवा प्रदर्शन से दोगुना ही था? नहीं, बिलकुल नहीं। मूल्यांकन तालिका को देखने पर पता चला कि प्रथम स्थान पर आने वाले व्यक्ति ने सौ में से पिच्यानवे अंक प्राप्त किए थे जबकि द्वितीय स्थान पर आने वाले व्यक्ति ने चौरानवे अंक प्राप्त किए थे। अंकों में बहुत कम अंतर था लेकिन प्राप्त राशि में बहुत अधिक अंतर था। जीवन के हर क्षेत्र में यही होता है।

केवल थोड़े से तापमान के अंतर से पानी भाप बन जाता है और भाप द्वारा बड़ी-बड़ी मशीनों को आसानी से चलाया जा सकता है। पानी को बर्फ बनाने के लिए भी बर्फ जैसे ठंडे पानी को केवल थोड़े से तापमान के अंतर की आवश्यकता होती है। जीवन में थोड़े से परिवर्तन से हम उसे बहुत बेहतर बना सकते हैं। सबसे ऊपर रहने वाला व्यक्ति शेष व्यक्तियों से बस थोड़ा-सा ही तो अधिक करता है। यह थोड़ा-सा अधिक ही हमें सबसे अच्छी स्थिति में ला देता है। जो लोग अपने साथ के लोगों से थोड़ा-सा अधिक परिश्रम अथवा प्रयास करने में अपनी पूरी शक्ति लगा देते हैं, सबसे ऊपर वाले पायदान पर जा पहुंचते हैं। ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ी भी बस अपने साथ भाग लेने वाले लोगों से थोड़ा-सा ही बेहतर करते हैं और पदक हासिल कर लेते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि पदक हासिल करने वाले बरसों तक कड़ी मेहनत और अभ्यास करते हैं तब कहीं जाकर पदक हासिल कर पाते हैं।

बिलकुल ठीक बात है कि पदक हासिल करने वाले बरसों तक कड़ी मेहनत और अभ्यास करते हैं। लेकिन वास्तविकता ये भी है कि जीतने वाले

ही नहीं पीछे रह जाने वाले भी बरसों तक कड़ी मेहनत और अभ्यास करते हैं। जीत वास्तव में उन्हीं को मिलती है जो औरों से कुछ बेहतर कर पाते हैं। केवल थोड़ा-सा बेहतर। यदि हम जीवन के किसी भी क्षेत्र में सामान्य से पांच-सात प्रतिशत अधिक परिश्रम करने लगें अथवा कार्य में वर्तमान से थोड़ा अधिक समय देने लगें अथवा अपेक्षाकृत कुछ अधिक ध्यानपूर्वक व जिम्मेदारी से कार्य करने लगें तो संभव है हम अपने वर्तमान स्तर से कई गुणा ऊपर उठ जाएं। हम बहुत अच्छे हैं, हमारा व्यवहार भी बहुत अच्छा है ये बहुत अच्छी बातें हैं लेकिन इसी अच्छाई को हम थोड़ा और बेहतर बना लें तो जीवन में क्रांति घटित हो जाए। कई बार हम उस बिंदु पर आकर रुक जाते हैं जहां हमें बस थोड़ा-सा और अधिक करना होता है। उस बिंदु की पहचान अनिवार्य है। जीवन के हर क्षेत्र में उस बिंदु की पहचान का बड़ा महत्व होता है। हम प्राय: अपनी मंजिल के निकट पहुंचकर ही हथियार डाल देते हैं। एक अंतिम प्रयास अथवा अभ्यास हमें जीवन के सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाने में सक्षम होता है। हमारी सही परीक्षा विषम परिस्थितियों में अथवा जरूरत के समय होती है। किसी के दुख-सुख में अपेक्षाकृत देर तक साथ रहने वाला व्यक्ति ही हमेशा के लिए अच्छे संबंधों को सुनिश्चित कर लेता है। अच्छा व्यवहार व अच्छे संबंध ही जीवन में सफलता प्रदान करने में सबसे अधिक सहायक होते हैं इसमें संदेह नहीं। कहा गया है कि बेकार से बेगार भली। काम न होने की स्थिति में मुफ्त में या कम पैसे में काम करना और अच्छी तरह काम करना भी लाभदायक ही होता है। इससे एक ओर तो लगातार काम करते रहने से हमारी काम करने की आदत और कार्यकुशलता बनी रहती है और निरंतर कार्य करने से हमारी कुशलता में वृद्धि भी होती रहती है।

इसका हमारे भावी जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। लंबे समय तक कोई भी योग्य अथवा कार्यकुशल व्यक्ति उपेक्षित नहीं रह पाता। समय आने पर उसकी योग्यता का सही मूल्यांकन अवश्य होता है। औरों की अपेक्षा थोड़ा अधिक धैर्य भी एक दिन सभी क्षतिपूर्ति करने में सक्षम होता है। हम जहां पर अपना व्यवसाय करते हैं यदि हम वहां औरों से कुछ अच्छा कार्य अथवा कुछ अधिक देर तक कार्य करेंगे तो इससे हमारे व्यवसाय में बढ़ोतरी ही होगी।

अब तो बादलों में भी मौजूद हैं माइक्रोप्लास्टिक

मुकुल व्यास

दुनिया में प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों से होने वाला प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। पश्चिमी प्रशांत महासागर स्थित 11 किलोमीटर गहरी मारियाना ट्रेंच से लेकर माउंट एवरेस्ट की चोटी तक, पृथ्वी पर लगभग सभी जगह माइक्रोप्लास्टिक पाए गए हैं। अब एक नए अध्ययन से पता चला है कि प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े हमारे बादलों में भी मौजूद हैं और वे हमारे द्वारा खाए और पिए जाने वाली लगभग हर चीज को दूषित कर सकते हैं। जापान में शोधकर्ताओं ने माउंट फूजी और माउंट ओयामा पर चढ़ाई की और उनकी चोटियों पर छाई धुंध के पानी में माइक्रोप्लास्टिक पाया। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक हिरोशी ओकोची ने कहा, अगर प्लास्टिक वायु प्रदूषण के मुद्दे से सक्रिय रूप से नहीं निपटा गया, तो जलवायु परिवर्तन और पारिस्थितिक जोखिम एक वास्तविकता बन सकते हैं। इससे भविष्य में अपरिवर्तनीय और गंभीर पर्यावरणीय क्षति हो सकती है। अध्ययन में वैज्ञानिकों ने बादलों से पानी इकट्ठा करने के लिए माउंट फूजी और माउंट ओयामा पर चढ़ाई की।

फिर उन्होंने नमूनों के भौतिक और रासायनिक गुणों को निर्धारित करने के लिए उन पर उन्नत इमेजिंग तकनीक लागू की। शोधकर्ताओं ने हवा में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक में अलग-अलग प्रकार के नौ पॉलिमर और एक प्रकार के रबड़ की पहचान की, जिनका आकार 7.1 से 94.6 माइक्रोमीटर तक है। बादल के प्रत्येक लीटर पानी में प्लास्टिक के 6.7 से 13.9 टुकड़े पाए गए। इसके अलावा 'हाइड्रोफिलिक' या जल-प्रेमी पॉलिमर भी प्रचुर मात्रा में थे। शोधकर्ताओं के अनुसार, इससे पता चलता है कि ये कण तेजी से बादल बनने की प्रक्रिया में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। इस प्रकार जलवायु प्रणालियों में उनका योगदान महत्वपूर्ण होता हैं। ओकोची ने कहा, जब माइक्रोप्लास्टिक ऊपरी वायुमंडल में पहुंचते हैं और सूरज की रोशनी से पराबैंगनी विकिरण के संपर्क में आते हैं,तब उनमें क्षय होने लगता है। इससे ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि होती है।

नए प्रमाणों ने माइक्रोप्लास्टिक को व्यापक पर्यावरणीय नुकसान के अलावा, हृदय और फेफड़ों के स्वास्थ्य तथा कैंसर से जोड़ा है। माइक्रोप्लास्टिक हाल के वर्षों में सुर्खियों में आए हैं,क्योंकि उनके अनुचित निपटान के परिणामस्वरूप कई टन कचरा समुद्र में पहुंच गया है। हर साल प्लास्टिक कचरे की बहुत बड़ी मात्रा का पुनर्चक्रण नहीं होता। इसका मतलब यह है कि वह समुद्री पारिस्थितिक तंत्र में मिल रहा है। कणों के अलग-अलग आकार के कारण वर्तमान जल प्रणालियां माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को प्रभावी ढंग से फिल्टर करने में असमर्थ हैं। प्लास्टिक हजारों वर्षों तक नष्ट नहीं होता और अनुमान है कि महासागरों में पहले से ही प्लास्टिक की लाखों वस्तुएं मौजूद हैं। भविष्य में यह संख्या और भी बढ़ेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि प्लास्टिक के पुनर्चक्रण के लिए कठोर कदम नहीं उठाए गए तो दुनिया के महासागरों में प्लास्टिक कचरे की मात्रा 2050 तक मछलियों से अधिक हो जाएगी।

एक अन्य शोध से पता चला कि दुनिया का 80 प्रतिशत से अधिक नल का पानी प्लास्टिक से दूषित है। अमेरिका के मिनेसोटा विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने पाया कि अमेरिका में पानी में प्लास्टिक प्रदूषण की दर 93 प्रतिशत है जो दुनिया में सबसे अधिक है। कुल मिलाकर दुनिया भर के दर्जनों देशों के 83 प्रतिशत पानी के नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक पाया गया है। बोतलबंद पानी एक सुरक्षित विकल्प नहीं हो सकता है, क्योंकि विज्ञानियों को उसमें भी दूषित नमूने मिले हैं। एक अन्य अध्ययन से पता चला कि मनुष्य के शरीर में भी प्रतिदिन विषाक्त माइक्रोप्लास्टिक कण पहुंच रहे हैं। इन कणों की मात्रा इतनी अधिक है कि सप्ताह भर में एक पूरे क्रेडिट कार्ड जितना माइक्रोप्लास्टिक सांस के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर रहा है। 'फिजिक्स ऑफ फ्लुइड्स' पत्रिका में प्रकाशित निष्कर्षों में चेतावनी दी गई है कि प्लास्टिक उत्पादों के क्षरण से उत्पन्न होने वाले सूक्ष्म कण हमारी श्वसन प्रणाली सहित संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। वैज्ञानिकों ने श्वसन प्रणाली के ऊपरी वायुमार्ग में माइक्रोप्लास्टिक कणों के परिवहन और जमाव का विश्लेषण करने के लिए एक कंप्यूटर मॉडल विकसित किया था। इस दल में सिडनी के प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी शामिल थे। माइक्रोप्लास्टिक कण दरअसल प्लास्टिक के सूक्ष्म कण होते हैं जो आमतौर पर 5 मिलीमीटर से कम लंबाई के होते हैं। ज्यादातर ये कण लंबी अवधि में बड़े प्लास्टिक उत्पादों के विखंडन से उत्पन्न होते हैं।

अत्यंत सूक्ष्म कणों को माइक्रोबीड्स भी कहा जाता है जिन्हें सौंदर्य उत्पादों और टुथपेस्ट आदि में प्रयुक्त किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से विज्ञानी लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि इन कणों से स्वास्थ्य पर कई तरह के प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकते हैं। इन कणों के बिस्फेनॉल और फेलेट्स जैसे रासायनिक घटक हार्मोनों को बाधित करने के लिए जाने जाते हैं। ये रसायन कैंसर, बांझपन और समय-पूर्व यौवन से जुड़े हुए हैं। हाल के अध्ययनों से यह भी पता चला है कि मानव वायुमार्ग की गहराई में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक श्वसन प्रणाली के लिए गंभीर खतरे पैदा कर सकते हैं। दुनिया में माइक्रोप्लास्टिक का उत्पादन बढ़ रहा है। हवा में माइक्रोप्लास्टिक का घनत्व काफी बढ़ रहा है। शोधकर्ताओं ने धीमे और तेज सांस लेने की स्थिति में 1.6 से 5.56 माइक्रोन के विभिन्न माइक्रोप्लास्टिक कणों के प्रवाह का पता लगाया। नए अध्ययन में पाया गया कि विषाक्त प्रदूषकों वाले ये प्लास्टिक कण नाक की गुहा या गले के पीछे इकट्ठा होते हैं।

माता-पिता बच्चों को कभी न कहें ये बातें पड़ेगा बुरा असर

घर छोड़कर चले जाओ बच्चों को भूलकर भी कभी ऐसा न कहें कि घर छोड़कर चले जाओ। अगर आप ऐसा कहते हैं तो बच्चों पर इसका गलत असर पड़ सकता है और आपके द्वारा गुस्से में कही बात को वो कभी सच में दिल से लगा सकते हैं और इसका नतीजा बुरा हो सकता है।

बच्चों का ख्याल रखना माता-पिता की जिम्मेदारी होती है। जब बच्चे छोटे होते हैं, तो उनको खाना खिलाने से लेकर उनको कपड़े पहनाने और उनको सुलाने तक की जिम्मेदारी माता-पिता बड़े अच्छे से निभाते हैं। वहीं, आप बच्चों को जैसी परवरिश देते हैं, बच्चे वैसा ही सीखते हैं। अगर आप बच्चों के सामने लड़ाई करेंगे, उन्हें बुरा-भला कहेंगे या हर वक्त उन्हें डांटते ही रहेंगे आदि। तो ऐसे में बच्चों को कई बार इन चीजों की आदत पड़ जाती है। इसलिए कई बार अलग तरीके से काम लेना पड़ता है, लेकिन कुछ बातें ऐसी हैं जो माता-पिता को अपने बच्चों के सामने कभी नहीं बोलनी चाहिए। वरना बच्चों पर इसका गलत असर पड़ सकता है और साथ ही आपका बच्चों संग रिश्ता भी खराब हो सकता है।

बच्चों की तुलना न करें

अपने बच्चों की तुलना कभी भी दूसरों के बच्चों से न करें। अगर आप ऐसा करते हैं, तो आप अपने बच्चों का आत्मविश्वास कम करते हैं। हर बच्चा एक-दूसरे से अलग होता है, उसके सोचने की शक्ति, समझने की शक्ति, पढ़ने का तरीका आदि। सभी कुछ अलग होता है इसलिए कभी भी तुलना करने की जगह उन्हें सिखाएं।

बच्चों की क्षमता को कम न आंके

आपने देखा होगा कि कई बच्चे किसी भी काम को तुरंत कर देते हैं, लेकिन कुछ बच्चे ऐसे होते हैं जो हम काम को धीरे-धीरे करते हैं। ऐसे में गलती से भी अपने बच्चे को ये न कहें कि तुम बेहद स्लो हो या उसे इस बातो को लेकर ताने न मारे। दरअसल, एक व्यस्क और बच्चे की क्षमता और काम करने का तरीका पूरी तरह अलग होता है।

गुस्सा न करें

कई बार माता-पिता बच्चों पर इतना गुस्सा कर बैठते हैं कि वो खुद ही भूल जाते हैं कि जिन्हें आप डांट रहे हैं, वो आपके बच्चे हैं। ऐसे में कई माता-पिता तो बच्चों को कुछ ऐसा बोल पड़ते हैं, जिससे बच्चे पर गलत असर पड़ सकता है। इसी में से एक है कि काश तुम हमारे बच्चे न होते या भगवान हमें तुम्हारा जैसा बच्चा न देता आदि। पर ध्यान दें कि गलती से भी बच्चे को ऐसा न बोलें। कुछ परिस्थितियां ऐसी होती हैं जहां ये समझ पाना बहुत मुश्किल होता है कि इससे कैसे निपटा जाए। बहुत से पेरेंट्स हर परिस्थिति को बहुत ही समझदारी से सुलझा लेते हैं। लेकिन कुछ के लिए ये बहुत ही मुश्किल होता है। ऐसे में कई बार पेरेंट्स बच्चों पर गुस्सा भी उतार देते हैं। उन पर हाथ उठा देते हैं या उन्हें डांट देते हैं। लेकिन ऐसा करना सही नहीं है। बच्चों को कभी भी गुस्से में सजा न दें। इससे बच्चों की मानसिकता पर बहुत ही बुरा असर पड़ता है। ये आगे चलकर उनके भविष्य को भी बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। इसलिए ऐसा करने से बचें।

हंसना मना है

जब देखा उन्होंने तिरछी नजर से, तो हम मदहोश हो गए। पर जब पता चला की नजर ही तिरछी है, तो हम बेहोश हो गए !

पत्नी- फोन पे इतनी धीमी आवाज में किस से बात कर रहे हो? पति - बहन से।। पत्नी- तो फिर इतनी धीमी आवाज में किसलिए? पति - तेरी है, इसलिए।

पत्नी- शादी के दस साल हो गए और एक आप है, जो आज तक कही घूमने तक नहीं ले गए।। पति- ठीक है आज घूमने चलेंगे।। शाम को पति, पत्नी को लेकर श्मशान घाट ले गया! पत्नी गुस्से से बोली- छी श्मशान भी कोई घूमने की जगह होती है? पति- अरे पगली लोग मरते है यहां आने के लिए।

बेटा- पापा आप शराब मत पिया करो।। पापा- पिने दे बेटा, साथ क्या लेकर जाना है? बेटा- आप इसी तरह पीते रहे तो छोड़कर भी क्या जाओगे?

जितना गौर से लोग, टकराने के बाद एक दूसरे को देखते है, उतनी गौर से अगर पहले ही देख ले, तो टक्कर ही नहीं होती।

कोई गम नहीं मगर दिल उदास है, तुझसे कोई रिश्ता नहीं फिर भी एहसास है, कहने को बहुत अपने है मगर तू एक खास है, ज्यादा इमोशनल ना होना ऊपर सब बकवास है।

कहानी | शिकारी झाड़ियां

महाराज कृष्णदेव हर साल ठंड के मौसम में नगर के बाहर डेरा डाला करते थे। उन दिनों गीत-संगीत की महफिलें सजती और कभी किस्से कहानियों के दौर चला करते थे। महाराज ने दरबारियों से कहकर शिकार की तैयारियां शुरू करवाईं। इसके बाद अगली ही सुबह महाराज अन्य दरबारियों व कुछ सैनिकों के साथ शिकार के लिए निकलने लगे। उन्होंने तेनालीराम से शिकार पर साथ चलने को कहा। दरबारी कहने लगा, रहने दीजिए महाराज, तेनालीराम की उम्र हो चली है और अब वह शिकार पर जाएंगे तो जल्दी ही थक जाएंगे। सभी हंसने लगे, महाराज ने तेनालीराम से कहा कि वह उनके साथ शिकार पर चलें। कुछ समय बाद महाराज का काफिला जंगल के बीच पहुंच गया। शिकार के लिए नजरें दौड़ाते हुए महाराज को पास ही एक हिरण दिखाई दिया। राजा ने तीर कमान पर चढ़ाया हिरण वहां से भागने लगा और महाराज अपने घोड़े पर उसका पीछा करने लगे। तेनालीराम भी महाराज का पीछा करने लगे। जैसे ही महाराज ने हिरण पर निशाना साधा वो एक घनी झाड़ियों में जाने लगा। महाराज निशाना लगाने के लिए हिरण के पीछे झाड़ियों में जाने लगे। तभी तेनालीराम ने पीछे से महाराज को रुकने के लिए आवाज दी। तेनालीराम की आवाज से महाराज का ध्यान भंग हो गया और उनका निशाना चूक गया। महाराज ने तेनालीराम को डांटते हुए पूछा कि आखिर उसने उन्हें झाड़ियों में जाने क्यों नहीं दिया। कृष्णदेव ने कहा कि उसके चलते हिरण का शिकार नहीं हो पाया। महाराज की डांट सुनने पर भी तेनालीराम चुप्पी साधे रहे। महाराज के चुप होने पर तेनालीराम ने एक सैनिक को पेड़ पर चढ़कर झाड़ियों के उस पार देखने को कहा। तेनालीराम के कहने पर सैनिक ने देखा कि वह हिरण जिसका महाराज पीछा कर रहे थे, वो कंटीली झाड़ियों में फंसा हुआ है और बुरी तरह से लहूलुहान है। काफी देर तक प्रयास करने के बाद भी वह हिरण उन कंटीली झाड़ियों से निकल पाया और लड़खड़ाते हुए जंगल की ओर भाग गया। पेड़ से उतरकर सैनिक ने महाराज को पूरी आंखों देखी सुनाई। सैनिक की बात सुनकर महाराज को बड़ी हैरानी हुई। उन्होंने तेनालीराम से पूछा कि क्या उसे पहले से पता था कि वहां कंटीली झाड़ियां हैं। तेनालीराम ने कहा कि जंगल में कई ऐसी झाड़ियां होती हैं, जो व्यक्ति को लहूलुहान करके अधमरा छोड़ सकती है। मुझे शक था कि आगे ऐसी ही 'शिकारी झाड़ियां' हो सकती हैं। तेनालीराम की बात सुनकर महाराज उसकी सूझबूझ के एक बार फिर कायल हो गए। महाराज ने अन्य दरबारियों की ओर देखते हुए कहा कि तुम लोग नहीं चाहते थे कि तेनालीराम शिकार पर आए, लेकिन आज उसके ही कारण मेरी जान बची है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज काम की दृष्टि से व्यस्तता ज्यादा रहेगी, लेकिन सारे काम शाम तक आसानी से निपट जायेंगे। आज किसी रिश्तेदार से कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी।

वृषभ आज के दिन आपको भावुकता में निर्णय लेने से बचना होगा। घर अथवा व्यवसाय कहीं पर भी यदि कोई निर्णय लेना पड़े, तो उसे भावुकता में बिल्कुल ना लें।

मिथुन आज आपका दिन बहुत ही उत्तम रहने वाला है। छोटी-छोटी बातों में भी आज आपको खुशी तलाशने का अवसर मिलेगा। जो लोग राजनीति के क्षेत्र से जुड़े हैं।

कर्क आज के दिन आपको संतान पक्ष की ओर से सुखद समाचार सुनने को मिलेगा। आज संतान की नौकरी में तरक्की देख आपके मन में प्रसन्नता होगी।

सिंह आज आपका दिन सामान्य से थोड़ा बेहतर रहेगा। आज आप घरवालों के साथ ज्यादा समय बितायेंगे। बच्चे घर के कामों में माता की मदद करेंगे।

कन्या यदि किसी नए प्लॉट को खरीदना चाहते हैं, तो उसके लिए दिन उत्तम रहेगा, लेकिन यदि आप किसी से कोई बात करें, तो उसे तोलमोल कर बोलना ही बेहतर रहेगा।

तुला आज आर्थिक रूप से आपको सफलता मिलेगी। आज आप खुद को स्वस्थ्य महसूस करेंगे। आज पहले से आ रही समस्याओं का आसानी से हल निकल जाएगा।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए निवेश के मामले में सफलता दिलाने वाला रहेगा। आज आपके घर परिवार में किसी मेहमान के आगमन से आपका धन खर्च बढ़ सकता है।

धनु आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। माता-पिता के सहयोग से आपको जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता मिलेगा। मानसिक रूप से खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।

मकर आज का दिन आपको कुछ स्वास्थ्य समस्याएं अपनी चपेट में ले सकती हैं, इसके कारण आप परेशान रहेंगे, इसलिए आज आपको अपने खान-पान पर भी नियंत्रण बरतना होगा।

कुम्भ आज का दिन पहले से बेहतर रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है। संगीत और कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़े प्लेटफार्म पर जाने का अवसर मिलेगा।

मीन आज नौकरी कर रहे जातकों को अपने अधिकारियों से मान सम्मान प्राप्त होता दिख रहा है। आज आप अपने व्यवसाय के लिए भी कुछ योजनाएं बनाएंगे।

बॉलीवुड | प्रमोशन

सुशांत की मौत के बाद मैं बहुत परेशान हो गया था : विक्रांत

विक्रांत मैसी इस साल फिल्म 12वीं फेल को लेकर जबर्दस्त चर्चा में रहे हैं। विधु विनोद चोपड़ा के निर्देशन में बनी इस कम बजट की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जोरदार प्रदर्शन किया है। अभिनेता हाल ही में एक बातचीत के दौरान फिल्म इंडस्ट्री के बारे में बात करते नजर आए। इस दौरान उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद सोशल मीडिया पर हुई चर्चा और मीडिया ट्रायल पर अपनी प्रतिक्रिया दी। विक्रांत का कहना है कि सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड केस में जिस तरह लोगों की प्रतिक्रिया आई, उससे वे बहुत परेशान हुए। बता दें कि जून 2020 में सुशांत सिंह राजपूत अपने मुंबई स्थित फ्लैट में मृत पाए गए थे। मुंबई पुलिस के मुताबिक अभिनेता ने सुसाइड किया था। सुशांत की मौत की खबर ने प्रशंसकों और पूरी इंडस्ट्री को झकझोर कर रख दिया था। अचानक मेंटल हेल्थ, इंडस्ट्री के प्रेशर और नेपोटिज्म पर चर्चा तेज हो गई थी। हाल ही में विक्रांत मैसी ने इस पर बात की है। विक्रांत से एक बातचीत में पूछा गया कि बीते कुछ वर्षों में उनकी पीढ़ी के कलाकारों की आत्महत्या ने उन्हें परेशान किया है? इस पर अभिनेता ने कहा कि उन्हें खासतौर से सुशांत सिंह राजपूत को लेकर बहुत परेशानी हुई। सुशांत के निधन के बाद मीडिया ट्रायल और लोगों की प्रतिक्रिया देख वे आहत हुए। विक्रांत ने कहा, सुशांत की मौत के बाद कुछ लोगों ने वास्तव में दुख व्यक्त किया और संवेदनाएं जाहिर कीं, लेकिन यह बेहद अफसोस की बात है कि दूसरी तरफ उनकी मौत एक व्यापक मीडिया ट्रायल का विषय भी बन गई। उनके चले जाने के बाद अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर नई-नई कहानियां गढ़ी जाने लगीं, लोग तरह-तरह की अटकलें लगाने लगे। उनकी निजी जिंदगी, रिलेशनशिप, प्रोफेशनल स्ट्रगल पर बिना किसी आधिकारिक बयान और जानकारी के लोग सार्वजनिक रूप से बात करने लगे। विक्रांत ने कहा, यह करीब 45 दिनों तक चला, लेकिन शुरुआती 15 दिन लोगों ने इस पर खूब चुटकियां लीं। मुझे लगता है कि हम वास्तव में यही हैं। यह भी हमारी वास्तविकता का एक हिस्सा है और यह दिल तोड़ने वाला है।

अब अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अभिनय का जादू चलाएंगी नेहा धूपिया!

नेहा धूपिया बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री है। नेहा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। हालांकि, इन दिनों नेहा के सितारे बुलंदियों पर चल रहे हैं। मिस्त्र के डायरेक्टर अली अल अरबी की फिल्म ब्लू 52 से नेहा अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रही हैं। ब्लू 52 की कहानी भारत के कोच्चि और कतर में फिल्माया गया है। फिल्म के डायरेक्टर अली अल अरबी 2021 में आई अपनी फीचर डॉक्यूमेंट्री फिल्म कैप्टन ऑफ जातरी को लेकर भी सुर्खियों में हैं, हाल ही में फिल्म को कई अवार्ड भी मिले हैं। हाल ही में, एक इंटरव्यू में अपने इंटरनेशनल डेब्यू के बारे में बातचीत करते हुए नेहा धूपिया ने कहा, ब्लू 52 से अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत करना मेरे लिए किसी जादू से कम नहीं है। इस इंटरनेशनल प्रोजेक्ट ने मुझे एक ऐसे कैरेक्टर की गहराई में उतरने का मौका दिया, जो चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ प्रभावशाली भी है।

लोगों पर गहरा छाप छोड़ेगा मेरा किरदार

नेहा ने फिल्म में अपने किरदार के बार में बताते हुए आगे कहा, यह बदलाव का अनुभव है, जो लोगों पर स्थायी और गहरा छाप छोड़ेगा। मुझे इस बात की खुशी है कि अली ने मुझे अपने पहले इंटरनेशनल प्रोजेक्ट में मुख्य भूमिका के लिए चुना है। वहीं, डॉयरेक्टर अली अल अरबी ने फिल्म निर्माण को लेकर कहा, ब्लू 52 का निमार्ण प्रेम की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इस फिल्म में मिस्त्र, अमेरिका और भारत का मिश्रण दिखाया जाएगा। नेहा ने इस फिल्म में अपनी भूमिका के प्रति अद्भुत समर्पण दिखाया और अपने किरदार में अपनी मेहनत से एक नई जान डाल दी।

लोगों को फिल्म दिखाने के लिए हूं उत्साहित

निर्देशक अली अल अरबी ने आगे कहा, कोच्चि का खूबसूरत स्थान और कतर की सकारात्मक ऊर्जा इस फिल्म की कहानी बयां करने के लिए एक बेहतरीन कैनवास बन गई। मैंने इस फिल्म के माध्यम से जो कहानी गढ़ी है, उसे लोगों को दिखाने के लिए उत्साहित हूं। आशा है कि दर्शक भी इस कहानी से जुड़ पाएंगे।

रिलीज से पहले डंकी ने बचाया धमाल

साल बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक डंकी जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। पठान और जवान के बाद यह शाहरुख खान की तीसरी फिल्म है जो 2023 में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म से किंग खान ब्लॉकबस्टर फिल्मों की हैट्रिक लगाने की कोशिश में हैं। राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबर्दस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। यही वजह है कि एडवांस बुकिंग में भी फिल्म को तगड़ा रिस्पॉन्स मिला है।

एडवांस बुकिंग में कलेक्शन किये छह करोड़

ताजा आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने रिलीज से पहले ही एडवांस बुकिंग में फिल्म ने छह करोड़ 28 लाख का कलेक्शन कर लिया है। जानकारी के अनुसार डंकी के शुरुआती दिन के लिए भारत में 8601 शो के 1,86,753 टिकट बिक गए हैं। बता दें कि ये आंकड़े हिंदी भाषा के 2डी वर्जन के हैं।

डंकी में ये सितारे भी आएंगे नजर

डंकी की बात करें तो इसमें तापसी पन्नू, विक्की कौशल, बोमन ईरानी, विक्रम कोचर, अनिल ग्रोवर और ज्योति सुभाष भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म में लोगों को कॉमेडी, एक्शन और ड्रामा का फुल डोज देखने को मिलेगा। शाहरुख और उनके चार दोस्तों की यह कहानी लोगों के दिलों को कितना छूती है यह तो 21 दिसंबर को ही पता चल पाएगा।

सालार से होगी डंकी की टक्कर

फिल्म का मुकाबला प्रभास की सालार से है। इस फिल्म को भी एडवांस बुकिंग में अच्छी ओपनिंग मिली है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी यह फिल्म डंकी के एक दिन बाद सिनेमाघरों में पहुंचेगी। हाल ही में इसका दूसरा ट्रेलर जारी किया गया है, जिससे फैंस की उत्सुकता काफी ज्यादा बढ़ गई है।

अजब-गजब | कांटों की सेज पर सोते ही नहीं बल्कि जश्न भी मनाते हैं

खुद को पांडवों की वंशज मानती है ये जनजाति

देश-दुनिया में अजीबोगरीब परंपरा और रीति-रिवाज देखने को मिलते हैं। अनोखी परंपरा मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में देखने को मिलती है। यहां एक गांव के लोग परम्परा के तहत कांटों की सेज पर लेटते हैं। यहां के लोग परंपरा को निभाने के लिए कांटों से सजी सेज पर न सिर्फ लेटते हैं, बल्कि लोटपोट होने के लिए भी तैयार रहते हैं। यह सिर्फ कल्पना नहीं, बल्कि बैतूल के सेहरा गांव की हकीकत है। यहां के लोग खुद को पांडवों का वंशज कहते हैं। रज्झड़ समुदाय के लोग हर साल कांटों की सेज बनाकर उस पर लेटते हैं। खुद को इतनी यातनाएं देने के पीछे जो कहानी है वो आपने पहले शायद ही कभी सुनी होगी।

दरअसल, यहां के लोग बेर की कांटों से भरी सूखी टहनियों से बिस्तर बनाकर उस पर झूमते-नाचते और लोटपोट होते हैं। सेहरा गांव में रहने वाले रज्झड़ समुदाय के लोग खुद को पांडवों का वंशज कहते हैं। महाभारत काल से हर साल कांटों की सेज पर लोटकर खुद को यातना देने के पीछे यहां एक किवदंती चली आ रही है। बताया जाता है कि एक बार पांडव जंगल में घूमते हुए भूख-प्यास से व्याकुल थे। इसी दौरान एक

नाहल जाति के व्यक्ति ने पांडवों के सामने शर्त रखी कि अगर वो अपनी मुहबोली बहन का विवाह उससे कर देंगे तो उन्हें पानी दिया जाएगा।

पांडवों ने नाहल की शर्त मान ली और बेमन से अपनी एक मुंहबोली बहन भोंडई का विवाह नाहल के साथ तय कर दिया, लेकिन नाहल ने पांडवों को अपना वचन साबित करने की चुनौती दी। इस पर पांडव कांटों की सेज बनाकर उस पर लेट गए और खुद को साबित किया। रज्झड़ समुदाय भी खुद को पांडवों का वंशज मानते हैं। इसलिए ये लोग हर साल पांडवों की तरह कांटों की सेज पर लोटपोट होते हैं। महाभारत काल से चले आ रहे इस आयोजन को पीढ़ियों से लोग देखते आ रहे हैं, लेकिन सभी को इस बात पर आश्चर्य होता है कि आम इंसान को एक कांटा चुभने पर भी असहनीय दर्द होता है। तो फिर कड़कड़ाती ठंड के बीच नंगे बदन कांटों पर लोटने के बावजूद रज्झड़ लोगों को जरा भी तकलीफ क्यों नहीं होती। अजब अनूठी परम्पराओं से भरे बैतूल में होने वाले इस आयोजन का किताबों में कहीं जिक्र नहीं मिलता, लेकिन ये आयोजन साल दर साल इसी तरह होता है। परम्परा को निभाने लोग किस हद तक जा सकते हैं। ये अगर देखना समझना हो तो भोंडई से बेहतर और क्या हो सकता है।

भारत की सबसे रहस्यमयी झील जहां दिशाभ्रम हो जाता है कंपास

भारत में एक से एक रहस्यमयी जगह हैं, लेकिन आज हम आपको एक ऐसी झील के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां कंपास को भी दिशाभ्रम हो जाता है। जिसका रहस्य सुलझाने में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा भी लगी हुई है। कुछ साल पहले इस झील का पानी अचानक लाल हो गया था। तब वैज्ञानिक भी भौचक रह गए कि ऐसा क्यों हुआ? बाद में इस रहस्य से पर्दा उठा। इस झील के बारे में हमारे पुराणों में भी लिखा हुआ है और इसे अद्भुत गुणों वाला बताया गया है। हम बात कर रहे महाराष्ट्र की लोनार झील के बारे में। इसके रहस्यों को समझने के लिए हमें इतिहास में जाना होगा। कहा जाता है कि 52,000 साल पहले, 2 मिलियन टन वजनी एक उल्कापिंड आकर धरती से टकराया था। उसकी गति 90,000 किलोमीटर प्रति घंटे थी, जिससे पृथ्वी पर इतना बड़ा गड्ढा बन गया। यह गड्ढा आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी प्राकृतिक खारे पानी की झील के रूप में हमारे सामने है। शुरुआत में इसे एक ज्वालामुखी का मुहाना माना गया लेकिन बाद में हुए परीक्षणों से पता चला कि यह झील एक धूमकेतु के पृथ्वी के टकराने से बनी है।

मुंबई से लगभग 500 किलोमीटर दूर स्थित लोनार झील का जिक्र हमारे पुराणों में भी मिलता है। स्कंद पुराण और पद्म पुराण में इसके बारे में लिखा गया है। किंवदंती के अनुसार, यहां लोनासुर नामक एक राक्षस रहा करता था और लोगों को काफी परेशान किया करता था। मगर एक दिन भगवान विष्णु ने उसे उठाकर पाताल लोक में फेंक दिया, तभी यह गड्ढा बना। 1600 ई. के आसपास प्रकाशित पांडुलिपि आईन-ए-अकबरी में भी इसका उल्लेख है। साक्ष्य बताते हैं कि यह इलाका पहले मौर्य साम्राज्य का हिस्सा हुआ करता था। कहा तो ये भी जाता है कि अकबर इस झील का पानी सूप में डालकर पीया करते थे। सबसे दिलचस्प बात, यहां कंपास काम नहीं करता। जैसे ही आप यहां पहुंचते हैं तो कंपास को भी दिशाभ्रम हो जाता है। वह सही दिशा नहीं बताता, या कुछ ऐसा बताता है जो सच नहीं है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के साइंटिस्ट लंबे वक्त से इसकी वजह तलाशने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब तक रहस्य अनसुलझा है। कुछ विशेषज्ञों का दावा है कि आसमान से आने वाली कुछ असामान्य विद्युत चुम्बकीय तरंगें विद्युत उपकरणों के साथ संपर्क करती हैं, जिससे कंपास को समझ नहीं आता। क्योंकि लोनार क्रेटर एक उल्कापिंड के टकराने से बना है, इसलिए इस दावे पर कुछ लोग भरोसा भी करते है।

संसद को भाजपा की चिंतन बैठक की तरह नहीं चला सकते : ओवैसी

» सांसदों का निलंबन रद्द करने की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने 141 सांसदों का निलंबन रद्द करने की मांग करते हुए कहा कि संसद को भाजपा की चिंतन बैठक की तरह नहीं चलाया जा सकता। ओवैसी ने एक्स पर एक पोस्ट में सवाल उठाया कि अगर विपक्षी दलों के सांसदों को एक झटके में निलंबित या निष्कासित कर दिया जाता है, तो लोकतंत्र में क्या बचा है।

उन्होंने पोस्ट में कहा, 141 विपक्षी सांसदों को संसद से निलंबित कर दिया गया है। यदि विपक्षी सांसदों को एक झटके में निलंबित या निष्कासित कर दिया जाए तो लोकतंत्र में क्या बचता है? भाजपा के पास संसद में प्रचंड बहुमत है, फिर भी वह विपक्ष की आवाज के प्रति इतनी असहिष्णु क्यों है? संसद को भाजपा की चिंतन बैठक की तरह नहीं चलाया जा सकता। निलंबन वापस लिया जाना चाहिए। सदन में तख्तियां लहराने

और नारे लगाने के आरोप में कुल 141 सांसदों को लोकसभा और राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया है। सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में मंगलवार को 49 लोकसभा सदस्यों को निलंबित कर दिया गया। इंडिया गठबंधन के सांसद 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में चूक की घटना को लेकर गृह मंत्री अमित शाह से बयान की मांग कर रहे हैं।

बहस के बिना अपना एजेंडा लागू करना चाहती है सरकार : पृथ्वीराज चव्हाण

नागपुर। कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि विपक्षी सांसदो का निलंबन एक अभूतपूर्व घटना है। उन्होने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बिना किसी चर्चा के अपना एजेंडा लागू करना चाहती है। यहां महाराष्ट्र विधानमंडल परिसर मे चव्हाण ने आरोप लगाया कि यह बहुत शर्मनाक है कि इस तरह से लोकतंत्र को नष्ट किया जा रहा है। हमारे इतिहास मे कभी भी इतनी बड़ी संख्या मे सांसदो को निलंबित नही किया गया। यह स्पष्ट है कि सरकार बिना किसी चर्चा और बहस के अपना एजेंडा लागू करना चाहती है। वे रास्ता बना रहे है ताकि कोई विरोध न हो। देश तानाशाही की ओर बढ़ रहा है।

सांसदों के निलंबन मामले में राष्ट्रपति करें हस्तक्षेप

भुवनेश्वर। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस यानी इंडिया के नेताओ ने संसद से 141 विपक्षी सांसदो के निलंबन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से हस्तक्षेप की मांग की। विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओ ने मांग की कि सांसदो को शीतकालीन सत्र के शेष भाग मे भाग लेने की अनुमति दी जाए। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) के अध्यक्ष शरत पटनायक के नेतृत्व मे इंडिया गठबंधन के नेताओ के एक प्रतिनिधिमंडल ने विपक्षी सांसदो के निलंबन की कड़ी निंदा करते हुए राज्यपाल रघुबर दास के माध्यम से राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौपा। इंडिया गठबंधन के नेताओ ने अपने ज्ञापन मे सांसदो के निलंबन को दुर्भाग्यपूर्ण और अलोकतांत्रिक करार देते हुए कहा कि यह लगभग एक अभूतपूर्व कदम था। इन्होंने अपने ज्ञापन मे कहा, बहस और चर्चा लोकतंत्र का एक प्रमुख सिद्धांत है। लेकिन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली मौजूदा केंद्र सरकार को संसद मे कोई बहस और चर्चा पसंद नही है।

झारखंड विधानसभा से भाजपा के तीन विधायक निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड विधानसभा में मंगलवार को हंगामा हुआ और कार्यवाही में व्यवधान उत्पन्न करने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीन विधायकों को शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया तथा उन्हें मार्शल के जरिए सदन से बाहर करा दिया गया। विधानसभा अध्यक्ष की इस कार्वाई के खिलाफ भाजपा के अन्य विधायकों ने सदन से बहिर्गमन किया।

सत्तापक्ष और विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इसके बाद बाद दोपहर साढ़े 12 बजे कार्यवाही जब फिर से शुरू हुई तो भाजपा के मुख्य सचेतक बिरंची नारायण, सचेतक जेपी पटेल और विधायक भानू प्रताप साहू अपनी मांगों के समर्थन में आसन के सामने आ गए। अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो ने कहा कि विधायक सदन की कार्यवाही में व्यवधान उत्पन्न कर रहे हैं। महतो ने कहा, मैं बिरंची नारायण और भानू प्रताप साही को मौजूदा सत्र से निलंबित करता हूं। एक अन्य विधायक जेपी पटेल को भी निलंबित कर दिया गया। विपक्ष के नेता अमर बाउरी ने विधानसभा अध्यक्ष की कार्वाई को तनाशाही बताया। हम राज्य के युवाओं से संबंधित मुद्दा उठा रहे थे। लेकिन, सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। भाजपा ने विधायकों के निलंबन का विरोध किया। हम बहिर्गमन कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

न्यूजक्लिक का दावा-खातों पर आयकर विभाग की रोक

नई दिल्ली। ऑनलाइन समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक ने दावा किया कि आयकर विभाग ने उसके बैंक खातो पर रोक लगा दी है और वह इस अनुचित और क्रोर कार्वाई के खिलाफ कानूनी कदम उठाएगा। आयकर अधिकारियो की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नही आई। न्यूजक्लिक ने कहा कि आयकर विभाग की कार्रवाई के कारण 18 दिसंबर की शाम तक कोई भी बैंक भुगतान करने मे असमर्थ है। समाचार पोर्टल ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान मे कहा, इस कार्वाई से हमारे खातो पर एक तरह से रोक लग गई है। यह कार्रवाई समाचार पोर्टल की प्रशासनिक-कानूनी घेराबंदी की निरंतरता प्रतीत होती है, जो फरवरी 2021 मे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे के साथ शुरू हुई, जिसके बाद सितंबर 2021 मे आयकर विभाग का सर्वेक्षण हुआ और तीन अक्टूबर, 2023 को दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने कार्वाई की। न्यूजक्लिक ने कहा कि उसे खातो पर रोक लगाने की कोई सूचना नही दी गई और कर्मचारियो को सोमवार शाम को नियमित भुगतान करने की कोशिश करते समय संयोग से इसका पता चला। समाचार पोर्टल ने कहा, इस मनमानी कार्वाई के परिणामस्वरूप सभी कर्मचारियो, पत्रकारो, वीडियोग्राफर और प्रशासनिक व सहायक कर्मचारियो का वेतन तथा सलाहकारो और योगदानकर्ताओ को भुगतान नही किया जा सकता है, जिसमे दिसंबर के उन 19 दिनो का भुगतान भी शामिल है जो वे पहले ही काम कर चुके है।

ललित झा के ठिकानों पर पहुंची दिल्ली पुलिस

कोलकाता। दिल्ली पुलिस की एक टीम संसद सुरक्षा चूक मामले मे गिरफ्तार मुख्य साजिशकर्ता ललित झा के बारे मे अधिक जानकारी हासिल करने के लिए मंगलवार को यहां एक फ्लैट पर पहुंची। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होने बताया कि टीम गिरीश पार्क पुलिस थाने से कोलकाता पुलिस की एक टीम के साथ फिर से रवीन्द्र सारणी स्थित फ्लैट पर गई और पूरी जगह की जांच की तथा मकान मालिक से बात की। अधिकारी ने कहा कि वे इको पार्क थाने की पुलिस के साथ बागुइहाटी स्थित एक फ्लैट मे भी गए और वहां अपनी जांच की। अधिकारी ने कहा, संसद सुरक्षा चूक की घटना से तीन दिन पहले भी झा का परिवार बागुइहाटी फ्लैट मे रह रहा था। दिल्ली पुलिस की टीम ने वहां स्थानीय लोगो से बात की।

कोरोना के 341 नए मामले आए सामने

नई दिल्ली। कोरोना ने एक बार फिर दोबारा चिंता बढ़ा दी है। बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट पर मौजूद आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 341 नए मामले सामने आए, जबकि केरल में 3 मरीजों की मौत हो गई. मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, आज सुबह 8 बजे तक देश भर में दर्ज किए गए 341 कोविड-19 संक्रमण के मामले में से 292 केरल से थे।राज्य में हुई तीन मौतों के साथ, तीन साल पहले फैलने के बाद से केरल में कोविड के कारण मरने वाले लोगों की कुल संख्या 72,056 तक पहुंच गई। इस बीच दिल्ली में डॉक्टरों ने लोगों को मास्क पहनने, भीड़भाड़ से बचने और स्वस्थ आहार लेने की सलाह दी है। क्रिसमस और नए साल के करीब आने के साथ, शहर के कुछ अस्पतालों के डॉक्टरों ने देश में कोरोना वायरस के नए स्वरूप 'जेएन-1 के पहले मामले का पता चलने का भी हवाला दिया और लोगों से अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा।

लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव में संगीत व नृत्य का जादू श्रोताओं-दर्शकों पर छाया

लखनऊ। कवि सम्मेलन भक्ति भरे गीत तथा सुर का संगम एक जगह मिले तो सब कुछ फीका हो जाता कुछ ऐसा ही दृश्य लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव में परिलक्षित हुआ,

जहां कवि सम्मेलन के साथ संगीत व नृत्य का जादू श्रोता-दर्शकों पर छाया। इसके पूर्व सांस्कृतिक सांझ का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह पूर्व राज्य मंत्री एवं जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष जौनपुर द्वारा दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने पूर्व राज्य मंत्री को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और उपाध्यक्ष एन.बी.सिंह ने पुष्प कुछ देकर धन्यवाद दिया कार्यक्रम के अगले के चरण में शिवलाल भारद्वाज के नेतृत्व में भक्ति रस से पूरे पंडाल को भक्ति मय बना दिया ।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत से हिसाब बराबर किया

दूसरे वनडे में टीम इंडिया को 8 विकेट से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय टीम को दूसरे वनडे मैच में भारत को 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने इस जीत के साथ सीरीज 1-1 से बराबर की। पहलं खेलते हुए टीम इंडिया ने 211 रन बना थे। जवाब में उतरी प्रोटीज टीम ने 42.3 ओवर में मैच जीत लिया। टोनी ने सबसे ज्यादा 113 रन बनाए। भारतीय गेंदबाज विकेट लेने में सफल नहीं हो पाए।

टीम के लिए रिंकू और अर्शदीप सिंह ने केवल दो विकेट चटकाए और दक्षिण अफ्रीका ने मैच अपने नाम कर लिया। हार के बाद केएल राहुल ने बताया इस वजह से टीम अपनी झोली में नहीं डाल सकी। हार के बाद कप्तान केएल राहुल ने कहा कि हमने टॉस जीता, लेकिन पहले हाफ में विकेट से थोड़ी मदद मिल रही थे। यह एक मुश्किल विकेट था। साई के साथ मिलकर मैंने कुछ रन जोड़े, लेकिन अगर हम 100 रन की साझेदारी कर पाते तो हम टीम के लिए 50-हम यहां से यह सीख लेंगे। अगर हम 240 तक पहुंच पाते तो वो एक अच्छा स्कोर होता। हम समय-समय पर विकेट गंवाते रहे और दक्षिण अफ्रीका को भी विकेट से मदद मिल रही थी। हम हर खिलाड़ी के खेल,गेमप्लान और जिसमें वे कंफर्टेबल हो उस पर भरोसा करते हैं। प्लेयर्स को यहीं बताते हैं कि क्रिकेट में कुछ सही या गलत नहीं है। साथ ही खिलाड़ियों पर भरोसा करते है कि वे अपने गेमप्लान के साथ मैच में आएंगे। पहले 10 ओवर में थोड़ी मदद मिली विकेट से तो हमने बल्ले से काफी रन बंटोरे। हम विकेट नहीं बचा पाए, अगर विकेट हाथ में रहते तो हम सामने वाली टीम पर दबाव बना सकते थे। मैदान पर जो हुआ उसे यही छोड़ते हुए अब हम अगले मैच पर ध्यान देने की कोशिश करेंगे।

हर्षल सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बने, स्टार्क 24.75 करोड़ में बिके

दुबई। दुबई में आईपीएल 2024 के लिए मिनी ऑक्शन लगी। इस ऑक्शन में 332 खिलाड़ियों के नाम पर बोली लग हुई, जिसमें 216 भारतीय

खिलाड़ी हैं। अभी तक नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का ज्यादा बोल बाला दिखा। जहां सबसे महंगे खिलाड़ी के रूप में मिचेल स्टार्क 24.75 करोड़ में बिके तो उनके ही हमवतन पैट कमिंस को सनराइजर्स हैदराबाद ने 20.50 करोड़ में अपनी टीम में शामिल किया। लेकिन इस बीच हर्षल पटेल छा गए। हर्षल पटेल बतौर भारतीय खिलाड़ी सबसे महंगे खिलाड़ी बिके। आईपीएल के इस मिनी ऑक्शन में टीम इंडिया के तेज गेदंबाज हर्षल पटेल का जलवा देखने को मिला। उन्हें पंजाब किंग्स ने 11.75 करोड़ रुपये में खरीदा। हर्षल इस नीलामी में बिकने वाले सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी रहे। हर्षल आईपीएल के पिछले सीजन में आरसीबी का पार्ट थे।

दिल्ली में घटा प्रदूषण, एक्यूआई हुआ 279

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बढ़ती सर्दी के बीच प्रदूषण का स्तर कम होता दिख रहा है। लेकिन अभी भी लोगों को खराब हवा से राहत नहीं मिली है। रीयल टाइम एयर क्वालिटी इंडेक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली के कई इलाकों की हवा अब भी खराब है। अभी भी एक्यूआई ऊपर नीचे हो रहा है। बुधवार को सोनिया विहार इलाके में 279 एक्यूआई दर्ज हुआ है। जो सबसे ज्यादा है। वहीं दूसरी तरफ अलीपुर में 261, बवाना में 229, वजीरपुर में 221, आनंद विहार में 229, पंजाबी बाग में 198, द्वारका में 181, नोएडा में 163, गाजियाबाद में 176 एक्यूआई दर्ज हुआ है।

मंगलवार को मौसम में बदलाव और हवा की गति बदलने से प्रदूषण खराब श्रेणी में पहुंच गया है। हालांकि, पांच इलाकों में हवा बेहद खराब और एक में मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई। एनसीआर में दिल्ली की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 291 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में है। मंगलवार को

सुबह से ही धुंध के साथ कोहरा देखने को मिला। हवा की गति कम होने से शुक्रवार तक हवा बेहद खराब श्रेणी में पहुंचने का अनुमान है। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक हवा उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर से चली। इस दौरान गति 12 से 14 किलोमीटर प्रतिघंटा रही। बुधवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। इस दौरान गति 6 से 10 किलोमीटर प्रतिघंटा रहने के आसार हैं। सुबह के समय धुंध व कोहरा छाए रहने की आशंका है। ऐसे में हवा खराब श्रेणी में बनी रहेगी।

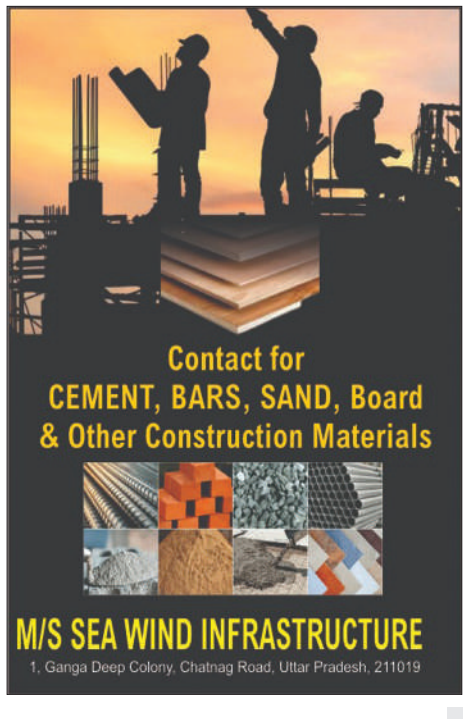

विपक्षी गठबंधन के पीएम चेहरे पर नहीं बनी बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन में पीएम चेहरे को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम को आगे बढ़ा कर एक दांव चला पर खुद खरगे ने ठुकरा कर विपक्षी गठबंधन को बैकफुट पर ला दिया है। हालांकि दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने भी टीएमसी सुप्रीमो का साथ दिया। ज्ञात हो कि विपक्षी गठबंधन

» ममता-केजरीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन का नाम आगे बढ़ाया, कांग्रेस अध्यक्ष ने ही ठुकराया

इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को गठबंधन का संयोजक बनाने और प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने की पैरवी की थी। हालांकि खुद खरगे ने इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा कि इस पर फैसला चुनाव में जीत के बाद ही होगा। बैठक में गठबंधन के घटक दलों के प्रमुख नेताओं ने अगले लोकसभा चुनाव के लिए जनवरी, 2024 के दूसरे सप्ताह तक सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने का फैसला किया। वैसे, तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना ने 31 दिसंबर तक ही सीट बंटवारे का काम पूरा करने की पैरवी की। इसका दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने समर्थन किया।

सूत्रों ने बताया कि किसी भी नेता ने इसका विरोध नहीं किया। सूत्रों का कहना है कि शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी खरगे को गठबंधन का संयोजक बनाने तथा सीट बंटवारे का काम जल्द पूरा करने की पैरवी की। बैठक में शामिल कुल 28 दलों के नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि लोकसभा चुनाव को लेकर सीट बंटवारे पर बातचीत राज्यों के स्तर पर होगी तथा जिस राज्य में जो पार्टी मजबूत होगी, वही सीटों के तालमेल के मामले में अगुवाई करेगी। राष्ट्रीय राजधानी के अशोक होटल में हुई इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी नेता राहुल गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, जनता दल (यू) से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पार्टी अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह मौजूद रहे।

जीत के बाद प्रधानमंत्री पद पर करेंगे चर्चा : खरगे

बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, आज इंडिया गठबंधन की चौथी बैठक हुई। इस बैठक में 28 दलों के नेता शामिल हुए और उन्होंने अपने विचार रखे। सभी ने एकजुट होकर गठबंधन को मजबूत करने और लोगों के हित से जुड़े मुद्दों को उठाने पर बात की। प्रधानमंत्री पद के चेहरे से जुड़े सवाल पर खरगे ने कहा कि पहले जीत के आना है, इसके बाद इस बारे में बात होगी। आने वाले समय में सभी ने मिलकर 8 से 10 सभाएं करने का भी फैसला किया है, ताकि लोगों तक अपनी बात पहुंचाई जा सके। सूत्रों का कहना है कि इन सभाओं में इंडिया गठबंधन के घटक दलों के सभी नेता संभवतः शामिल नहीं हो, लेकिन संबंधित क्षेत्र के प्रमुख नेता उनमें शिरकत करेंगे। खरगे ने कहा कि पहले प्रदेश स्तर पर सीटों के तालमेल पर बात होगी और अगर कोई मुद्दा आया, तो राष्ट्रीय स्तर पर बात होगी। उन्होंने कहा, अब चाहे वो तमिलनाडु हो, कर्नाटक हो, केरल हो या तेलंगाना हो, बिहार हो या उत्तर प्रदेश, यह मुद्दा (सीट बंटवारा) सुलझ जाएगा। बाकी दिल्ली या पंजाब में भी बाद में तय हो जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में जीत के बाद सांसद लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत प्रधानमंत्री चुनेंगे। उन्होंने कहा, हमें पहले जीत के आना है। जीत के लिए क्या करना है, उसके बारे में हम सोचें। कौन प्रधानमंत्री बनेगा, यह बाद की बात है। अगर सांसद नहीं होंगे, तो प्रधानमंत्री की बात करके क्या फायदा है? हम मिलकर जीतने और बहुमत हासिल करने की कोशिश करेंगे...पहले हमें जीतने की चिंता है। उन्होंने आरोप लगाया कि हालिया विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस बात का घमंड हो गया है कि अब उनके सिवाय कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा से सदस्यों के निलंबन के खिलाफ विपक्षी गठबंधन 22 दिसंबर को अखिल भारतीय स्तर पर प्रदर्शन करेंगे।

राहुल को दौड़ से बाहर करने की कोशिश : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने दावा किया कि आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने का प्रस्ताव रखा ताकि राहुल गांधी को दौड़ से बाहर किया जा सके। सिंह ने कहा, केजरीवाल और ममता बनर्जी जानते हैं कि राहुल गांधी के रहते खरगे जी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नहीं होंगे। इन दोनों ने राहुल गांधी को (दौड़ से) बाहर करने के लिए जाल बिछाया है। उन्होंने उन दोनों (खरगे और गांधी) को अपने जाल में फंसा लिया है। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों ने देश की प्रगति को रोकने के लिए बैठक की। आठवले ने कहा, विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की एक बैठक आज (मंगलवार) यहां आयोजित की गई।

संक्षिप्त खबरें

विपक्षी सांसद बहुत सवाल पूछते हैं इसलिए निलंबित किए गए: हेमा मालिनी

नई दिल्ली। विपक्षी खेमे के 100 से ज्यादा सांसदों के निलंबन पर मंगलवार को बीजेपी सांसद हेमा मालिनी ने दो टूक कहा, वे बहुत सारे सवाल पूछते हैं और अजीब व्यवहार करते हैं। मथुरा की सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि विपक्ष का एकमात्र लक्ष्य संसद को बाधित करना और मोदी सरकार की खिलाफत करना है। बीजेपी सांसद ने दो-तिहाई विपक्षी सांसदों के निलंबन को उचित ठहराते हुए कहा कि निलंबन का मतलब साफ है कि उन्होंने कुछ गलत किया है। उनको संसद के नियमों के हिसाब से काम करना चाहिए. लेकिन वह ऐसा नहीं करते हैं, इसीलिए उनको निलंबित कर दिया गया। बीजेपी सांसद ने कहा कि सभी कुछ भी गलत नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने इंडिया गठबंधन की कल हुई की बैठक का भी जिक्र किया। हेमा मालिनी ने कहा कि उनका लक्ष्य भी किसी भी तरह से संसद को नहीं चलने देना और मोदी सरकार को कैसे भी हटाना है, इसके लिए वह बहुत ही मेहनत कर रहे हैं, लेकिन वह सफल नहीं होंगे।

नरेंद्र सिंह तोमर मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष चुने गये

भोपाल। वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को बुधवार को सर्वसम्मति से मध्य प्रदेश विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित विधानसभा का पहला सत्र सोमवार को शुरू हुआ। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को 66 वर्षीय तोमर को विधानसभा अध्यक्ष के रूप में चुने जाने का प्रस्ताव रखा, जिसका विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने समर्थन किया। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी तोमर को स्पीकर चुने जाने का प्रस्ताव रखा, जिसका पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल ने समर्थन किया। विपक्षी कांग्रेस विधायक अजय सिंह, जयवर्धन सिंह और राजेंद्र कुमार सिंह सहित पांच और प्रस्ताव भी तोमर के पक्ष में पेश किये गये। प्रस्ताव के ध्वनि मत से पास होने के बाद अस्थायी अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) गोपाल भार्गव ने तोमर को सर्वसम्मति से विधानसभा अध्यक्ष घोषित किया। तोमर ने विपक्षी कांग्रेस के समर्थन से सोमवार को अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को तोमर को बधाई दी और सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुनने के लिए विपक्ष को भी धन्यवाद दिया।

गढ़चिरौली में नक्सलियों ने लगाई आग

मुंबई। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में नक्सलियों ने बुधवार तड़के सड़क निर्माण कार्य में लगी एक अर्थ-मूविंग मशीन और एक टैंकर में आग लगा दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर स्थित हिदुर-दोदुर गांव में हुई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गांव की सड़क पर निर्माण कार्य चल रहा था, तभी नक्सलियों ने काम में लगी मशीन और वाहन में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि नक्सलियों ने इलाके में एक पर्चा भी चस्पा किया है, जिसमें 22 दिसंबर को देशव्यापी बंद का आह्वान किया गया।

केजीएमयू : हड़ताल पर संविदाकर्मी, इलाज के लाले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में बुधवार को आउटसोर्सिंग कर्मचारियके के प्रदर्शन से स्वास्थ्य सेवाएं बाधित हो गई हैं। दरअसल, आउटसोर्सिंग कर्मचारी बायोमेट्रिक अटेंडेंस के हिसाब से मिली सैलरी की वजह से नाराज बताए जा रहे हैं।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के प्रदर्शन शुरू करने से ओपीडी सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं। काउंटर्स को छोड़कर आउटसोर्सिंग कर्मचारी प्रदर्शन में शामिल हो गए हैं। दरअसल, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में काम करने वाले आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को इस महीने में पूरा वेतन नहीं मिला है। उनको जो पैसे दिए गए हैं। उसमें कटौती की गई है और यह कटौती बायोमेट्रिक अटेंडेंस के हिसाब से होना बताई जा रही है। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को 1 महीने में मिलने वाली चार छुट्टियां का पैसा भी काट लिया गया है। जिससे आउटसोर्सिंग कर्मचारी नाराज हैं। करीब 5000 कर्मचारियों ने काम बंद करने का फैसला लिया है।

वेतन कटौती से हैं नाराज व उत्पीड़न से डरे हैं सभी कर्मी

फोटो: सुमित कुमार

महिलाओं को समानता का दर्जा नहीं दे रहे लोकसभा अध्यक्ष : जसकौर

» लोकसभा में भड़कीं भाजपा सांसद, कहा- बोलने के लिए नहीं दिया जा रहा पर्याप्त समय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दौसा से भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रही जसकौर मीना ने लोकसभा में महिलाओं को बात रखने के लिए उचित समय नहीं देने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने लोकसभा के पीठासीन राजेन्द्र अग्रवाल से कहा कि हमें उचित समय मिलना चाहिए, हम भी तैयारी करते हैं।

उन्होंने कहा, समानता का दर्जा तो आप लोग भी हमें नहीं दे रहे हैं। हम आज सुबह से ही है। पहले भी दिन से ही समय पर यहां आ जाते हैं। इन सबके बावजूद हम सोचते हैं कि भाई सतपाल जी, कानून मंत्री व अन्य लोगों ने जिस तरीके से अपनी विस्तार से बात रखी, क्या हम नहीं रख सकते हैं। हम भी अपनी बात रख सकते हैं, लेकिन उचित समय देना चाहिए। मीना ने आगे कहा, हम व्हिप चेयर से भी अनुरोध करेंगे महिलाओं के बोलने के लिए आप सुनिश्चित करें कि दो या तीन के बाद हमें बुलाया जाए। 15 लोगों के बाद हमें बुलाया जाता है क्या बोले हम? मैंने तीन दिन से लगातार तैयारी की थी, लेकिन फिर भी एक बात पूरी नहीं कर उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर कहूंगी कि अन्याय सहकर बैठ जाना यह बड़ा दुष्कर्म है, न्यायार्थ अपने बन्धु को भी, दंड देना धर्म है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।